स्थापना : 2010
4 राज्य । 2 भाषा
इंदौर (मध्यप्रदेश)
www.lokpatirika.com
हमें फॉलो करें :

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक पत्रिका

Hindi Daily

LOK PATRIKA

RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

सत्यमेव जयते

संपादक : आवेश मालवीय । वर्ष 1 । अंक : 09 । पेज : 08 । मूल्य : 5 रु.

03 जून 2025 । मंगलवार

खबरों एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें : 9825252125

इंदौर । भोपाल । ग्वालियर । रतलाम । उज्जैन । जबलपुर । शिवपुरी । गुना । धार । मंडला । शाजापुर । अशोकनगर । सीहोर । झाबुआ

डॉक्टरों ने सबसे मुश्किल काम को दिया अंजाम

ब्रेन इंजरी के चलते 20 दिन के नवजात की एमआरआई



एम्स भोपाल में ऐसा हुआ पहली बार, बच गई बच्चे की जान

भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित एम्स लगातार नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। नए-नए प्रयोग से मरीजों की जटिल बीमारियों का इलाज सरल हो रहा है। इसी कड़ी में एम्स भोपाल में पहली बार मात्र 20 दिन के वनजात की एमआरआई की गई है। दरअसल एमआरआई जांच आमतौर पर एक वयस्क मरीज के लिए भी डर भरे अनुभव जैसा होता है। मशीन से निकलने वाला तेज शोर और अंदर जाने पर सीमित जगह होने से कई मरीजों को बेचैनी होने लगती है। जो इस जांच को मुश्किल बना देती है। वहीं, यदि नवजात की जांच करनी तो यह लगभग असंभव सा लगता है। ब्रेन से जुड़ी गंभीर समस्या से ग्रसित एक 20 दिन के नवजात की एम्स में एमआरआई की गई। इसके लिए एक विशेष टीम तैयार की गई, जिसने एनेस्थीसिया की मदद से यह जांच की है। जो 45 मिनट तक चली। भोपाल एम्स ने इस जटिल एमआरआई प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा करके अपनी उन्नत चिकित्सा क्षमता और विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया है। संस्थान में अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक रेडियोग्राफी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिनमें डिजिटल रेडियोग्राफी यूनिट और एमआरआई स्कैनर शामिल हैं। इसके अलावा, एम्स भोपाल के रेडियोलॉजी विभाग ने हाल के वर्षों में कई जटिल मामलों, जैसे कि ब्रेन ट्यूमर सर्जरी और मिनिमली इनवेसिव प्रक्रियाओं, में सफलता हासिल की है।

बेहद जटिल प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया

चिकित्सकों ने बताया कि नवजात शिशु की बेहद जटिल एमआरआई प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इसने उसकी जान बचाने में अहम भूमिका निभाई है। हाल ही में एम्स भोपाल में एक नवजात शिशु को मस्तिष्क संबंधी गंभीर समस्या की आशंका के चलते रेफर किया गया था। कई जांच होने के बाद भी समस्या की ठीक से पुष्टि नहीं हो पा रही थी। इसके बाद डॉक्टरों ने शिशु की एमआरआई कराने का फैसला किया।

नवजात के लिए बेहद खतरनाक

डॉक्टरों ने शिशु की एमआरआई कराने में असली चुनौती सामने आई कि एमआरआई मशीन का अत्यधिक तेज शोर और उसका बंद वातावरण किसी भी नवजात के लिए बेहद खतरनाक हो सकता था। इस उम्र में बच्चे असहज होने पर हिलते डुलते हैं, जिससे जांच खराब हो सकती है या शिशु को नुकसान पहुंच सकता है। एम्स के डॉक्टरों के अनुसार एमआरआई रिपोर्ट में ब्रेन इंजरी की पुष्टि हुई, जिसका तत्काल इलाज शुरू किया गया। अब बच्चे की सेहत में सुधार है और उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

डॉक्टरों की टीम ने इस बात का रखा ध्यान

डॉक्टरों की टीम ने यह भी सुनिश्चित किया कि शिशु की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक उपकरण, जैसे कि ऑक्सीजन मॉनिटर और तापमान नियंत्रक, उपलब्ध हों। नवजात को विशेष एमआरआई-सुरक्षित क्रैडल में रखा गया, और शोर से बचाने के लिए उसके कानों को सुरक्षात्मक कवर से ढका गया। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग 45 मिनट लगे, और शिशु की स्थिति की लगातार निगरानी की गई।

बच्चा अब पूरी तरह से स्थिर

ब्रेन इंजरी की पुष्टि के बाद, एम्स की पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी और नियोनेटोलॉजी टीम ने तुरंत उपचार शुरू किया। इसमें ऑक्सीजन थेरेपी, दवाइयां, और अन्य सहायक उपचार शामिल थे, जो मस्तिष्क की सूजन को कम करने और न्यूरोलॉजिकल कार्यों को स्थिर करने के लिए दिए गए। शिशु की स्थिति पर लगातार नजर रखी गई, और कुछ दिनों की गहन देखभाल के बाद उसकी सेहत में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। एम्स प्रबंधन के अनुसार, शिशु अब पूरी तरह से स्थिर है और उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। डॉक्टरों का कहना है कि समय पर निदान और उपचार के कारण शिशु को दीर्घकालिक जटिलताओं से बचाया जा सका।

अंतिम विकल्प होता है एमआरआई

एम्स के चिकित्सकों ने बताया कि आमतौर पर नवजातों के मस्तिष्क की जांच के लिए अल्ट्रासाउंड का उपयोग होता है। यह कई मामलों में कारगर है लेकिन जब गहन मूल्यांकन की आवश्यकता हो तब इससे सटीक जानकारी नहीं मिलती है। ऐसे में एमआरआई ही एकमात्र विकल्प बचता है।

सीएसपी के तहसीलदार पति से मारपीट में कटनी और दतिया जिले के एसपी नपे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की कार्रवाई, चंबल रेंज के आईजी और डीआईजी को भी हटाया, सीएम बोले- इनका व्यवहार लोकसेवा में खेदजनक

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने कटनी और दतिया जिले के एसपी को हटाने का आदेश दिया है। साथ ही चंबल रेंज के आईजी सुशांत सक्सेना और डीआईजी कुमार सौरभ को भी हटाने का निर्देश दिया है। यह कार्रवाई कटनी की सीएसपी ख्याति मिश्रा के तहसीलदार पति के हंगामे के बाद हुई है। आरोप है कि पुलिस ने ख्याति मिश्रा के कहने पर उनके पति और परिवार के साथ मारपीट की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी। उन्होंने लिखा है कि कटनी के पुलिस अधीक्षक और दतिया के पुलिस अधीक्षक तथा आईजी, डीआईजी चंबल रेंज द्वारा ऐसा व्यवहार किया गया जो लोकसेवा में खेदजनक है। इस कारण इन्हें तत्काल प्रभाव से हटाने के निर्देश दिये हैं। इस कार्रवाई के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। दरअसल, कटनी में सीएसपी रहीं ख्याति मिश्रा का पारिवारिक विवाद हुआ था। इस विवाद में कटनी पुलिस पर आरोप लगे थे। बताया जा रहा है कि ख्याति मिश्रा के कहने पर पुलिस ने उनके तहसीलदार पति शैलेंद्र बिहारी शर्मा और उनके परिवार के साथ मारपीट की। यह सब कटनी के वर्तमान एसपी अभिजीत रंजन के कहने पर हुआ।



अभिनव विश्वकर्मा कटनी और सूरज वर्मा दतिया के नए एसपी

कटनी एसपी अभिजीत रंजन और दतिया एसपी वीरेंद्र कुमार मिश्रा दोनों को एआईजी के रूप में पुलिस मुख्यालय, भोपाल में अटैच किया गया है। डीसीपी इंदौर अभिनव विश्वकर्मा को कटनी का नया एसपी बनाया गया है। जबकि सूरज वर्मा, सेनानी प्रथम वाहिनी, इंदौर को दतिया का नया एसपी बनाया गया है।

सुशांत कुमार सक्सेना की जगह सचिन कुमार अतुलकर नए आईजी

आईजी चंबल सुशांत कुमार सक्सेना और डीआईजी चंबल कुमार सौरभ को पुलिस मुख्यालय भेजा गया है। सुशांत कुमार सक्सेना की जगह सचिन कुमार अतुलकर, आईजी, छिंदवाड़ा को चंबल का नया आईजी बनाया गया है। जबकि कुमार सौरभ की जगह डीआईजी सागर सुनील कुमार जैन को चंबल का नया डीआईजी बनाया गया है।

वीडी शर्मा ने दिया धन्यवाद

सीएम की इस कार्रवाई पर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने उनको धन्यवाद दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि कटनी पुलिस अधीक्षक द्वारा लोकसेवा आदर्श आचरण का उल्लंघन घोर निंदनीय है। उनके दुर्व्यवहार पर कार्रवाई को लेकर सीएम मोहन यादव जी से बात हुई थी। मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक को तत्काल प्रभाव से हटाने के लिए मैं मुख्यमंत्री जी का आभार व्यक्त करता हूं।

विजय शाह केस में एसआईटी चीफ का भी तबादला

गृह विभाग से जारी आदेश में मंत्री विजय शाह के मामले में जांच के लिए बनाई गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम के मुखिया प्रमोद वर्मा का भी तबादला किया गया है। सागर रेंज के आईजी प्रमोद वर्मा को जबलपुर रेंज का आईजी बनाया गया है। उनकी जगह चंद्रशेखर सोलंकी आईजी, विसबल, इंदौर को सागर का नया आईजी बनाया गया है। गृह विभाग ने रविवार रात में कुल 10 आईपीएस अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं।

यूक्रेन का रूस पर अब तक का सबसे खतरनाक हमला, पहली बार साइबेरिया तक मार

कीव। यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग अब एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। यूक्रेनी मीडिया ने दावा किया है कि यूक्रेन ने रूस पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। इस हमले में रूस के 40 से ज्यादा युद्धक विमानों को नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हमले में रूस के अत्याधुनिक ए-50, टीयू-95 और टीयू-22एम3 जैसे बमवर्षक विमानों को टारगेट किया गया। यूक्रेनी सूत्रों के मुताबिक, यह हमला रणनीतिक रूप से बेहद अहम था और इसका उद्देश्य रूस की हवाई ताकत को कमजोर करना था। हालांकि रूस की ओर से आधिकारिक



तौर पर इतनी बड़ी तबाही की पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन जवाबी कार्रवाई जरूर की गई है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उन्होंने यूक्रेन के खार्कोव क्षेत्र में इस्कैंडर-एम मिसाइल से हमला कर 6 ड्रोन लॉन्चर और लगभग 30 यूएवी (अनमैन्ड एरियल व्हीकल) को नष्ट कर दिया है। साथ ही दावा किया गया कि ड्रोन लॉन्च का स्रोत अब ब्लॉक कर दिया गया है। इस बीच रूस के इरकुत्स्क इलाके में पहली बार ड्रोन हमला दर्ज किया गया है। साइबेरिया स्थित इस इलाके में एक सैन्य यूनिट को निशाना बनाया गया। इलाके के गवर्नर ने हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि सेना और आपातकालीन टीमें मौके पर तैनात हैं और हालात को कंट्रोल में लाने की कोशिश जारी है।

एसआई की नसीहत- जिम में मुस्लिम न ट्रेनिंग देने आएंगे और न लेने

भोपाल। अयोध्यानगर थाना क्षेत्र के कांता श्रवण जिम में लव-जिहाद की शिकायत पर जांच करने पहुंचे एसआई दिनेश शर्मा का वीडियो वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में एसआई जिम संचालक को यह कहते दिख रहे हैं कि अब जिम में न कोई मुस्लिम ट्रेनिंग देने आएगा और न ही लेने। सोशल मीडिया पर यह वीडियो बहुप्रसारित हुआ, जिसे सांप्रदायिक सौहार्द्र को बिगाड़ने वाला माना गया। मामला तूल पकड़ते ही पुलिस प्रशासन ने एसआई दिनेश शर्मा को लाइन हाजिर कर दिया है। जानकारी के अनुसार, पिछले सप्ताह अयोध्या बायपास क्षेत्र में स्थित कांता श्रवण जिम में मुस्लिम युवकों द्वारा नाम बदलकर हिंदू युवतियों से मेल-जोल बढ़ाने और उन्हें प्रेमजाल में फंसाने की शिकायत हिंदूवादी संगठनों द्वारा अयोध्यानगर थाने में की गई थी। शिकायत पर जांच के लिए एसआई दिनेश शर्मा व अन्य पुलिसकर्मी जिम पहुंचे थे। वहां मौजूद जिम संचालक और कर्मचारियों से बयान लिए जा रहे थे। उसी दौरान एसआई ने यह बयान दिया, जिसे एक व्यक्ति ने रिकॉर्ड कर लिया। वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई।

एनसीटीई का बड़ा फैसला मध्यप्रदेश से 11 बीएड कॉलेजों की मान्यता हुई रद्द

भोपाल। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की पश्चिमी क्षेत्रीय समिति ने सत्र 2025-26 के लिए मध्यप्रदेश समेत चार राज्यों के 380 बीएड कॉलेजों की मान्यता समाप्त करने का निर्णय लिया है। यह कड़ी कार्रवाई उन संस्थानों पर की गई है, जो निर्धारित प्रक्रिया के तहत हर वर्ष प्रस्तुत की जाने वाली परफॉर्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट (पीएआर) जमा कराने में विफल रहे थे। मध्यप्रदेश से कुल 11 बीएड कॉलेजों की मान्यता रद्द की गई है, जिनमें राजधानी भोपाल के तीन संस्थान श्री साईनाथ महाविद्यालय, भोज विश्वविद्यालय और एक अन्य निजी कॉलेज शामिल हैं। इसके अलावा ग्वालियर, रीवा, सतना और सागर जिलों के बीएड कॉलेजों पर भी यह कार्रवाई हुई है। विशेष रूप से मध्यप्रदेश भोज (ओपन) विश्वविद्यालय के डिस्टेंस लर्निंग बीएड प्रोग्राम पर भी गाज गिरी है। विश्वविद्यालय हर वर्ष लगभग 1000 छात्रों को इस कोर्स में प्रवेश देता था, लेकिन अब यह कार्यक्रम सत्र 2025-26 से मान्यता प्राप्त नहीं रहेगा। ग्वालियर के ऋषिकुल ग्रुप ऑफ बीएड कॉलेज और फरीदा एजुकेशन सोसाइटी, रीवा के अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध बीएड कॉलेज, सतना के नीरांचलम शिक्षा महाविद्यालय और स्वामी नारायण दास शिक्षा कॉलेज तथा सागर के पंडित बीडी मेमोरियल बीएड कॉलेज, द्रोणाचार्य एकेडमी और पंडित मेमोरियल बीएड कॉलेज की मान्यता भी रद्द कर दी गई है।

न्यूज़ ब्रीफ

कोरोना के बढ़ते मामलों ने डराया, सक्रिय मरीज अब 3758, केरल में 1400 के पार

नई दिल्ली। देश में कोरोनाके बढ़ते मामलों ने डराना शुरू कर दिया है। बीते 24 घंटे में देश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या में भारी उछाल देखा गया है। मौजूदा समय में देश में 3758 कोरोना संक्रमितों का इलाज चल रहा है। केरोना को मात देने वालों की बात करें तो बीते दिन से अब तक 1818 लोग संक्रमण से मुक्त हुए, जबकि दो कोरोना संक्रमितों की मौत भी हुई है। राज्यवार आंकड़ों की बात करें तो केरल में कोरोना के 64 नए मामले सामने आए हैं। यहां अब सक्रिय मरीजों का आंकड़ा 1400 पहुंच गया है। ऐसे ही महाराष्ट्र में 485, दिल्ली में 436, गुजरात में 320, पश्चिम बंगाल में 287, कर्नाटक में 238, तमिलनाडु में 199 और उत्तरप्रदेश में 149 कोरोना संक्रमितों का इलाज चल रहा है। हालांकि, ज्यादातर मरीज होम आइसोलेशन में ही ठीक हो रहे हैं। कोरोना से होने वाली मौतों की बात करें तो बीते दिन से अब तक दो कोरोना संक्रमितों की मौत की पुष्टि हुई है। मौतें केरल और कर्नाटक में दर्ज की गईं। कर्नाटक में 63 वर्षीय पुरुष और केरल में 24 वर्षीय महिला की मौत हुई। दोनों अन्य बीमारियों से भी परेशान थे। केंद्र सरकार के कोविड डैश बोर्ड के अनुसार, कोरोना के बढ़ते मामलों के साथ संक्रमण से मुक्त होने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है।

मप्र हाईस्कूल/हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ी

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश ने हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा 2025 के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब वे विद्यार्थी, जो मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण रहे हैं, 8 जून 2025 की रात 12 बजे तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। मंडल द्वारा जारी सूचना के अनुसार, यह अवसर केवल उन्हीं छात्रों को मिलेगा जो हाईस्कूल या हायर सेकेण्डरी की मुख्य परीक्षा 2025 में असफल रहे हैं और वे केवल अनुत्तीर्ण विषयों के लिए ही परीक्षा आवेदन कर सकेंगे। इस संबंध में पूर्व में जारी सभी अन्य दिशा-निर्देश यथावत लागू रहेंगे। मंडल ने यह निर्णय विद्यार्थियों की सुविधा और उनके शैक्षणिक हितों को ध्यान में रखते हुए लिया है। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल सचिव ने जारी आदेश में कहा है कि यह अंतिम अवसर है।

कूनो से आए चीतों को भाया गांधीसागर अभयारण्य, हर दूसरे दिन कर रहे शिकार

सिटी रिपोर्टर

नीमच। गांधीसागर अभयारण्य में हाल ही में स्थानांतरित किए गए चीतों ने यहां के जंगलों को न सिर्फ अपनाया है, बल्कि यहां के वन्यजीवों खासकर नीलगायों को अपने शिकार के लिए पसंद भी किया है। अभयारण्य के अधिकारियों के अनुसार, ये चीते औसतन हर दूसरे दिन नीलगाय या अन्य शिकार को पकड़ रहे हैं, जिससे उनके स्वास्थ्य और अनुकूलन की स्थिति मजबूत होती दिख रही है। कूनो नेशनल पार्क से स्थानांतरित किए गए इन चीतों के लिए गांधीसागर अभयारण्य एक उपयुक्त आवास साबित हो रहा है। शुरुआत में चिंता थी कि क्या वे नए वातावरण में खुद को ढाल पाएंगे, लेकिन अब ये चीते न केवल जंगल में सक्रिय रूप से घूम रहे हैं, बल्कि खुले मैदानों में शिकार भी कर रहे हैं। वन अधिकारियों के अनुसार चीतों की शिकार करने की यह नियमितता इस बात का प्रमाण है कि उन्हें पर्याप्त भोजन मिल रहा है और वे अपने नए परिवेश में पूरी तरह सहज हो चुके हैं।



बिना बाहरी सहायता के जंगल में हो रहे स्थापित

वन मंडलाधिकारी मंदसौर संजय रायखेरे के अनुसार अभयारण्य में नीलगायों की संख्या अच्छी-खासी है और चीतों ने उन्हें अपनी प्राथमिक शिकार सूची में रख लिया है। यह एक सकारात्मक संकेत है कि वे बिना किसी बाहरी सहायता के जंगल में खुद को स्थापित कर रहे हैं।

शिकार की रणनीति और गतिविधियां

ट्रैकिंग कॉलर और कैमरा ट्रैप की मदद से वन विभाग लगातार चीतों की गतिविधियों पर नजर रखी रही है। प्राप्त आंकड़ों से पता चला है कि चीते अकसर तड़के सुबह या देर शाम शिकार करते हैं। नीलगायें, जो खुले घास के मैदानों में चरती हैं, चीतों के लिए आसान शिकार साबित हो रही हैं। इसके अलावा, कुछ मौकों पर चीतों ने चीतल और चिंकारा को भी निशाना बनाया है।

एक माह पहले ही गांधी सागर पहुंचे थे पावक और प्रभास

एक माह पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने पावक और प्रभास नाम के दो चीतों को अभयारण्य के बाड़े में छोड़ा था। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क से इन चीतों को राजस्थान के कोटा, झालावाड़ होते हुए 8 घंटे में 360 किलोमीटर की दूरी बिना रुके तय करते हुए गांधी सागर पहुंचाया गया था। वातानुकूलित गाड़ी में दोनों को अलग-अलग पिंजरे में रखा गया था।

प्रोजेक्ट चीता की दिशा में एक और सफलता

भारत में विलुप्त हो चुके चीतों को फिर से बसाने के लिए शुरू किए गए प्रोजेक्ट चीता को गांधीसागर में सफलता मिलती दिख रही है। कुनो के बाद गांधीसागर दूसरा ऐसा अभयारण्य बन गया है, जहां चीते प्राकृतिक रूप से शिकार कर रहे हैं और जंगल में स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे हैं।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

मेट्रो के फर्श पर बैठकर सफर किया तो भरना पड़ेगा जुर्माना

गुटखा खाकर थूकने या नशा करने पर भी टिकट जब्त होगा

सिटी रिपोर्टर

इंदौर। इंदौर में शनिवार से मेट्रो ट्रेन का संचालन शुरू हो गया। पहले दिन सफर करने वाले यात्रियों ने खूब सेल्फी ली। रविवार को भी यात्रियों ने सफर किया, लेकिन मेट्रो ट्रेन के तय नियमों के साथ। दूसरे लोक परिवहन वाहनों में जांच नहीं होती, इस कारण यात्री अपने साथ कई बार नशे की वस्तु और हथियार तक ले जाते हैं। इंदौर की सिटी बस में चाकू लहराते हुए भी दो-तीन मर्तबा बदमाश नजर आए, लेकिन मेट्रो ट्रेन में कई तरह के क्रियाकलाप प्रतिबंधित हैं। यदि यात्री उन्हें करते पाए गए तो उन्हें जुर्माना भी भरना होगा। मेट्रो ट्रेन में सफर या तो सीट पर बैठकर करना होगा या खड़े रहकर। यदि यात्री मेट्रो ट्रेन की फर्श पर बैठकर सफर करते पाए गए तो 200 रुपये का जुर्माना भरना पड़ेगा। गुटखा खाकर थूकने या शराब का नशा करने पर भी टिकट जब्त हो जाएगा और 200 रुपये का जुर्माना भरना होगा। इसके अलावा पुरुष यात्री महिला कोच में सफर करते मिले तो तीन माह की जेल की हवा खाना पड़ सकती है। 250 रुपये का जुर्माना भी भरना होगा। कोच में विज्ञापन के लिए स्टीकर चिपकाने पर भी जुर्माना भरना होगा। मेट्रो ट्रेन में यात्री खरीदी हुई शराब की दो सीलबंद बोतल ले जा सकते हैं, लेकिन ढक्कन खुला मिला तो माना जाएगा कि शराब पी है। इसके लिए भी जुर्माना भरना पड़ सकता है। यात्री चाकू, नुकीली वस्तु लेकर सफर नहीं कर सकते, लेकिन सिख समाज के लोग कृपाण रखकर सफर कर सकते हैं, लेकिन उसकी लंबाई 9 इंच से ज्यादा नहीं होना चाहिए। यात्री पालतू जानवरों को भी मेट्रो में लेकर सफर नहीं कर सकते हैं। मेट्रो ट्रेन में प्रोफेशनल कैमरे से फोटोग्राफी बगैर अनुमति के नहीं की जा सकेगी।



पहले दिन हाउसफुल रही मेट्रो

शनिवार को इंदौर मेट्रो का पहला दिन हाउसफुल रहा। 2500 यात्रियों ने सफर किया। मेट्रो 12.09 बजे रवाना हुई और 2 बजे तक चली। बाद में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पहुंचे तो शाम को फिर चलाई गई। मेट्रो के पीआरओ हिमांशु ग्रोवर ने बताया कि रविवार से मेट्रो का संचालन रात 8 बजे तक किया गया।

5.9 किमी की दूरी 11 मिनट में पूरी

पहले दिन शनिवार को ट्रेन ने 5.9 किमी का सफर 11 मिनट में ही पूरा कर लिया था। हालांकि, इस दौरान मेट्रो किसी भी स्टेशन पर नहीं रुकी थी। रविवार से मेट्रो का टोटल ट्रैवलिंग टाइम 20 से 23 मिनट हो गया। मेट्रो ट्रेन एक से दूसरे स्टेशन की दूरी कम से कम 2 मिनट और अधिकतम 3 मिनट में पूरी कर रही है। वहीं, प्रत्येक स्टेशन पर यात्रियों के चढ़ने और उतरने के लिए 2 मिनट ठहर रही है।

मैन्युअल रहेगी टिकट व्यवस्था

पहले हफ्ते मेट्रो की निशुल्क यात्रा की जा सकेगी। पहले दिन टिकट की व्यवस्था नहीं की गई थी। वहीं, दूसरे हफ्ते से डिस्काउंट रेट पर टिकट उपलब्ध होंगे। टिकट व्यवस्था मैन्युअल रहेगी। प्लेटफॉर्म के गेट ठीक तरह से काम नहीं कर रहे हैं। इन्हें मौजूद स्टाफ द्वारा मेन्युअली खोला और बंद किया जा रहा है। बताया गया कि सेंसर की सेटिंग सही नहीं होने की वजह से यह ऑटोमैटिक वर्क नहीं कर रहे थे।

साइबर ठगों ने 36 घंटे तक रिटायर्ड प्रिंसिपल का दिमाग किया 'हाईजैक'

एफडी तोड़ने पहुंचीं तो बैंक मैनेजर ने बचाए एक करोड़

सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर में साइबर ठगों ने एक बार फिर एक रिटायर्ड प्रिंसिपल को निशाना बनाया। ठगों ने वीडियो कॉल के जरिये महिला को लगभग 36 घंटे तक मानसिक रूप से बंधक बनाए रखा। साथ ही एक करोड़ रुपए ठगने की कोशिश की। लेकिन बैंक मैनेजर और पुलिस की सतर्कता से महिला ठगी का शिकार होने से बच गई। पुलिस अब लोगों को साइबर अपराध के बारे में जागरूक करने की तैयारी कर रही है। यह घटना वायएन रोड स्थित गांधी नगर इलाके में हुई। यहां नंदिनी चिपलूनकर नाम की एक महिला रहती हैं। वे केंद्रीय विद्यालय से प्रिंसिपल के पद से रिटायर हुई हैं। उन्हें एक अनजान व्यक्ति का फोन आया। उस व्यक्ति ने खुद को जांच एजेंसी का अधिकारी बताया। उसने कहा कि उनके नाम पर एक सिम कार्ड जारी हुआ है। उस सिम कार्ड से गलत काम हो रहे हैं। इसके बाद, महिला को एक और वीडियो कॉल आया। इस कॉल पर कथित रूप से मुंबई के कोलावा थाने के एक डीएसपी थे। उन्होंने महिला को बताया कि उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की 267 शिकायतें दर्ज हैं। मनी लॉन्ड्रिंग का मतलब है, गैरकानूनी तरीके से कमाए गए पैसे को छुपाना।



बैंक खाते की जानकारी देनी होगी

ठगों ने महिला पर मानसिक दबाव बनाया। उन्होंने उसे बार-बार धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर वे निर्दोष हैं, तो उन्हें अपने बैंक खाते की जानकारी देनी होगी। साथ ही, जमा राशि को सुरक्षा जांच के लिए भेजना होगा। ठगों के दबाव में आकर महिला ने अपनी 50 लाख रुपए की सेविंग्स और 52 लाख रुपए की एफडी तोड़ने की कोशिश की। एफडी का मतलब है फिक्स्ड डिपॉजिट, जिसमें एक निश्चित समय के लिए पैसा जमा किया जाता है। बैंक मैनेजर को कुछ गड़बड़ लगी। उन्होंने तुरंत क्राइम ब्रांच को इस बारे में जानकारी दी। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के निर्देश पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने महिला से बात करके पूरी बात समझी। पुलिस ने तुरंत वीडियो कॉल बंद करवाया। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि लोगों को अनजान नंबरों से आने वाली कॉल से सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी को भी अपनी बैंक खाते की जानकारी या अन्य निजी जानकारी किसी अनजान व्यक्ति को नहीं देनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी को कोई संदिग्ध कॉल आता है, तो उसे तुरंत पुलिस को सूचित करना चाहिए।

इतना डर गई कि पति को भी बात नहीं बताई

बैंक मैनेजर को इतनी बड़ी एफडी तत्काल तुड़वाने पर शंका हुई तो उन्होंने पहले तो बैंक के कंप्यूटर सिस्टम का सर्वर डाउन होने का हवाला देकर सेवानिवृत्त प्राचार्य को रवाना कर दिया। इसके बाद सायबर पुलिस को सूचना दी। दरअसल, सायबर ठगों ने सेंट्रल स्कूल की रिटायर्ड प्राचार्य नंदनी चिपलूणकर को ठगने की कोशिश की थी। ठगों का कॉल आने के बाद वह इतना डर गई थीं कि अपने पति को भी उन्होंने यह बात नहीं बताई। ठग उन्हें कह रहे थे कि उनके खिलाफ 267 एफआईआर है। ठगों ने चिपलूणकर को जेट एयरवेज के पूर्व मालिक नरेश गोयल का हवाला दिया और कहा कि गोयल ने कोर्ट के सामने तुम्हारा नाम लिया है। ठगों ने कार्रवाई से बचने के लिए एक करोड़ रुपये अपने बैंक अकाउंट में जमा करने की बात कही। नंदनी के बैंक में पहुंचने के बाद मैनेजर को शंका हुई तो उन्होंने पुलिस अफसरों को इसकी जानकारी दी। अफसरों ने महिला से संपर्क किया और सायबर ठगी की जानकारी दी। इसके बाद महिला की शिकायत पर उन्होंने केस भी दर्ज किया।

युवती के साथ पकड़ा गया कव्वाल जासूसी और लव जिहाद की आशंका

सिटी रिपोर्टर

इंदौर। इंदौर के रामबाग क्षेत्र के एक फ्लैट में शनिवार रात बजरंग दल के कार्यकर्ता पहुंचे। यहां एक अविवाहित हिन्दू युवती के फ्लैट में मुंबई से आया अन्य धर्म का युवक रह रहा था। जब बजरंगी फ्लैट पहुंचे तो वह आपत्तिजनक अवस्था में मिला। इसके बाद उसकी धुनाई कर दी गई और पुलिस के हवाले कर दिया। बजरंग दल ने लिखित शिकायत में लव जिहाद का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि युवक रामबाग के संघ कार्यालय के समीप की मल्टी में रुका हुआ था। उस पर जासूसी करने का शक भी जताया गया है। पुलिस अब इस मामले में जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंबई में रहने वाला नौशाल अली खान कव्वाली के प्रोग्राम का आयोजक है। वह अकसर इंदौर आकर एक युवती के फ्लैट में रहता था। युवती के समाज के लोगों ने उसे कई बार समझाया, लेकिन वह नहीं माना। वह अकसर इंदौर आकर युवती के फ्लैट में रुकता था। जब समाजजनों को पता चला कि वह इंदौर आया है तो शनिवार को बजरंग दल के पदाधिकारी तन्नू शर्मा व समाज के लोग फ्लैट पर पहुंचे। पहले तो उन्होंने नौशाद की धुनाई की।

फिर उसे थाने ले गए। समाजजनों ने कहा कि नौशाद लव जिहाद कर हिन्दू लड़कियों को फंसाता है। इसके बाद उनका शारीरिक शोषण करता है। पुलिस ने उसके मोबाइल को भी जब्त किया है, ताकि उसके बारे में अन्य जानकारी भी मिल सके।

जांच कर आगे की जाएगी कार्रवाई



घटना की जानकारी मिलते ही गुजराती दर्जी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहनलाल चौहान, अन्य सदस्य और बजरंग दल के कार्यकर्ता सदर बाजार थाने पहुंच गए। थाना प्रभारी ने बताया कि अभी तक इस मामले में कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है, लेकिन समाज की ओर से एक शिकायत पत्र थाने में दिया गया है। प्रारंभिक पूछताछ के बाद पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की गहराई से जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोग आशंका जता रहे हैं कि यह मामला लव जिहाद या जासूसी का हिस्सा हो सकता है। अपार्टमेंट राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत कार्यालय के बिलकुल समीप होने के कारण इस घटना ने संवेदनशीलता बढ़ा दी है।

सुनियोजित साजिश है यह

विश्व हिन्दू परिषद के समरसता संयोजक तन्नू शर्मा ने कहा कि यह प्रेम-प्रसंग नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश है। एक जिहादी युवक खुलेआम हिंदू लड़की को फंसाकर उसका शोषण कर रहा था। पुलिस को तुरंत कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए और ऐसे लोगों को सलाखों के पीछे पहुंचाना चाहिए। पुलिस ने फिलहाल मामले की पड़ताल शुरू कर दी है ।

बदमाशों ने की आधी रात में घर में घुसने की कोशिश, किया पथराव

सिटी रिपोर्टर

इंदौर। शहर के भंवरकुआं थाना क्षेत्र स्थित संत नगर पैलेस कॉलोनी में शनिवार रात बदमाशों ने जमकर आतंक मचाया। कुछ अज्ञात बदमाशों ने एक मकान को निशाना बनाते हुए जमकर पथराव किया और जबरन घर में घुसने की कोशिश भी की। इस सनसनीखेज घटना का वीडियो पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि आधी रात के वक्त कुछ युवक घर के बाहर जमा होते हैं और अचानक गेट पर हमला बोल देते हैं। वे न केवल जोर-जोर से गेट खटखटाते हैं बल्कि पत्थरों से हमला भी करते हैं। घर के अंदर मौजूद परिवार इस पूरी घटना से घबरा गया और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है।



वीडियो के आधार पर पुलिस की कार्रवाई

पुलिस ने वीडियो के आधार पर तत्काल कार्रवाई शुरू की और तीन आरोपियों की पहचान कर ली है। हालांकि, अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस का कहना है कि यह मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा हुआ है और दोनों पक्ष आपस में पड़ोसी हैं। अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है और उन्हें जल्द ही हिरासत में लेने की बात कही जा रही है।

आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस की टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी है। स्थानीय लोगों ने इस घटना को लेकर नाराजगी जताई है और पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो बदमाशों के हौसले और बढ़ सकते हैं।

रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप के लिए संयुक्त रोजगार मेला आज

सिटी रिपोर्टर

इंदौर। बेरोजगार आवेदकों के लिए रोजगार, स्वरोजगार और अप्रेंटिसशिप के अवसर एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संयुक्त रोजगार मेले (युवा संगम) का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) और जिला उद्योग केंद्र की संयुक्त देखरेख में एक दिनी (युवा संगम) रोजगार मेला सोमवार 2 जून को आयोजित होगा। मेला सुबह 10 बजे से दोपहर 4 बजे तक आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था) नंदा नगर में संचालित होगा। डिप्टी डायरेक्टर, रोजगार कार्यालय पीएस मंडलोई ने बताया कि रोजगार मेले में आवेदकों को कॅरियर बनाने का सुनहरा अवसर देने के साथ ही व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए लोन की प्रोसेस के संबंध में मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। मेले में डी-मार्ट, ओशियन मोटर्स, चेकमेट, कॉसमॉस ग्रुप, बालाजी



वेफर्स, रूपरंग स्टोर्स, श्याम टाटा मोटर्स, शैफाली बिजनेस, मेड पप्स, बी-ऐबल आदि के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए प्रारंभिक रूप से चयन किया जाएगा। कंपनियों में अकाउंटेंट, एचआर, लैब टेक्नीशियन, सेल्स, बीपीओ, टेक्नीशियन, पैकर, लोडर, मार्केटिंग आदि के विभिन्न पदों हेतु आकर्षक वेतन पर रोजगार प्रदान करने के लिए कंपनियों के प्रतिनिधि आवेदकों के साक्षात्कार लेकर प्रारंभिक रूप से चयन करेंगे। मेले में 18 से 40 वर्ष के आवेदक जो हाई स्कूल से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट (किसी भी विषय में उत्तीर्ण) हैं और तकनीकी योग्यता जैसे आईटीआई के आवेदक भी रोजगार मेले में भाग लेकर योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। मेले में शामिल होने वाले आवेदकों को अपनी सभी शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्रों के साथ बायोडेटा, आधार कार्ड आदि की फोटो प्रतियां आवश्यक रूप से साथ लाना आवश्यक है।

टूट रहीं उम्मीदें... 10 दिन बाद भी शिलांग गए कपल का पता नहीं

अब सीआरपीएफ करेगी दोनों की तलाश

सिटी रिपोर्टर

इंदौर। राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम, शिलांग में 10 दिनों से लापता हैं। मेघालय सरकार अब उन्हें खोजने के लिए पैरामिलिट्री फोर्स की मदद लेगी। बारिश के कारण सर्च ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है। पुलिस ड्रोन भी नहीं उड़ा पा रही है। परिवार वाले चाहते हैं कि टीम खाई में उतरे और रेस्टोरेंट वाले से पूछताछ हो। उनका कहना है कि पुलिस ने गाइड से ठीक से पूछताछ नहीं की। वे आर्मी या स्पेशल टीम से जांच कराने की मांग कर रहे हैं। पुलिस एक हफ्ते से लगातार सर्चिंग कर रही है। लेकिन बारिश की वजह से परेशानी हो रही है। ड्रोन को नीचे भेजने में दिक्कत आ रही है, इसलिए दंपती को ढूंढने में मुश्किल हो रही है। 50 के करीब जवान सर्च अभियान में लगे हैं। इंदौर स्थित कपल के परिवार वाले निराश हैं। उनका कहना है कि रोजाना कुछ ही घंटे सर्चिंग हो रही है। टीम खाई में नहीं उतर रही है। वे ड्रोन को नीचे भेज रहे हैं, लेकिन बारिश की वजह से उसे वापस ऊपर ले आते हैं। परिवार वालों का धैर्य अब जवाब देने लगा है।

गाइड से नहीं की पूछताछ



परिवार वालों का कहना है कि पुलिस ने उस गाइड से ठीक से पूछताछ नहीं की, जो राजा और सोनम को नीचे ले गया था। उनके सामने ही उससे सामान्य पूछताछ की गई और उसे छोड़ दिया गया। परिवार वाले सवाल कर रहे हैं कि वह अकेला दंपती को कैसे छोड़कर आ गया? वे गाड़ी में चाबी लगाकर कहीं कैसे जा सकते हैं? गाइड की जिम्मेदारी थी कि जहां से उसने दंपती को साथ लिया, वहीं छोड़ना था। परिवार वाले चाहते हैं कि उस रेस्टोरेंट वाले से भी पूछताछ होनी चाहिए, जहां दंपती ने आखिरी बार चाय-कॉफी पी थी। परिवार वालों का कहना है कि जब पुलिस वहां नहीं पहुंच पा रही है तो ऐसे में स्पेशल टीम या आर्मी को लगाना चाहिए। वे खाई में उतरकर दंपती को ढूंढ सकते हैं। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ करनी चाहिए। परिवार वालों ने बताया कि उन्हें स्थानीय लोगों से पता चला है कि नीचे एक-दो गांव हैं, कुछ मकान बने हैं। अगर बारिश या किसी और वजह से दंपती फंस गए होंगे तो ग्रामीणों से उनकी जानकारी मिल सकती है। लेकिन पुलिस ने अभी तक न तो ग्रामीणों से संपर्क किया है और न ही किसी गाइड से गंभीरता से मदद ली है।

पुराना हो गया शव इसलिए पहचान नहीं पाया भाई, हाथ के टैटू से की पहचान

इंदौर। इंदौर से शिलांग गए ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी का शव 10 दिनों के बाद सोमवार को गहरी खाई में मिला है। पत्नी सोनम का अभी कुछ पता नहीं चला है, उसकी तलाश जारी है। कारोबारी राजा शव पुराना होने से राजा का चेहरा ही पहचान में नहीं आ रहा था। रेस्क्यू टीम के साथ मौजूद भाई विपिन ने हाथ में टैटू देखकर और कपड़े पहचानकर उसकी शिनाख्त की। घटना की सूचना जैसे ही इंदौर पहुंची परिवार में मातम छा गया। वह आस लगाकर बैठे थे कि बेटे और बहू वापस घर लौटेंगे, लेकिन बेटे की मौत की खबर आ गई।
दंपती की तलाश के लिए गृहमंत्री अमित शाह, सीएम डॉ. मोहन यादव ने भी मेघालय के मुख्यमंत्री कानराड कोंगकल संगमा से चर्चा की थी। इंदौर के सांसद शंकर लालवानी भी शिलांग जाकर पुलिस अधिकारियों से मिले थे। बता दें कि शव ओसरा हिल्स में जहां स्कूटी मिली थी, वहां से करीब 25 किमी दूर खाई में मिला है। जिसके चलते परिवार द्वारा लूट के बाद हत्या की आशंका भी जताई जा रही है। यह दंपती हनीमून मनाने मेघालय के शिलांग गया था। यहां ओसरा हिल्स से 23 मई की शाम के बाद से दोनों लापता हो गए थे। इनकी तलाश में घटना के बाद से छह रेस्क्यू टीम जुटी है। लेकिन मौसम खराब होने के कारण घना कोहरा और मूसलाधार बारिश के बीच रेस्क्यू ऑपरेशन में देरी हो रही है।
30 साल के साकार नगर निवासी ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई को इंदौर में हुई थी। शादी के बाद दोनों ने पहले गुवाहाटी जाकर मां कामाख्या देवी के दर्शन किए। वह इंदौर से 20 मई को सुबह नौ बजे बेंगलुरु होते हुए गुवाहाटी पहुंचे थे। इसके बाद मेघालय के शिलांग पहुंचे। यहां दो दिन तक तो परिवार के संपर्क में रहे लेकिन बाद में संपर्क नहीं हुआ। 23 मई की रात में आखिरी बार राजा ने मां से बात की थी। तब उन्होंने बताया था कि वह पहाड़ी इलाके में है।
इस दौरान उन्हें गहरी जगह पर ना जाने की समझाइश भी दी थी। संपर्क नहीं होने पर तुरंत परिवार के सदस्य वहां पहुंच गए थे। स्वजन ने बताया कि फोन नहीं लगने पर पहले हमें लगा कि नेटवर्क की दिक्कत होगी। सोनम के भाई गोविंद ने गूगल मैप के जरिए लोकेशन ट्रेस की तो पता चला था कि किराएं पर स्कूटी ली थी।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA

RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

ब्रीफ न्यूज़

पवन चक्की के ट्रांसफॉर्मर में आग, फायर ब्रिगेड ने पाया काबू



शाजापुर। लालघाटी थाना क्षेत्र में भैरव डूंगरी पहाड़ी पर स्थित हैड्रोन कंपनी की पवन चक्की में के ट्रांसफॉर्मर में अचानक आग लग गई। घटना का पता तब चला जब कंपनी से सिक्योरिटी सुपरवाइजर राहुल शर्मा को फोन आया कि पवन चक्की एल.ए.एच.आर नंबर 14 ऑफलाइन हो गई है। मौके पर पहुंचे राहुल ने ट्रांसफार्मर में आग लगी देखी। विस्फोट की आशंका को देखते हुए तुरंत फायर ब्रिगेड और डायल 100 को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। शनिवार सुबह नुकसान का जायजा लिया गया। इसके बाद लालघाटी थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने रविवार दोपहर 12 बजे करीब बताया कि ट्रांसफार्मर में अज्ञात कारणों से लगी आग के मामले की जांच की जा रही है।

नगर में संस्कार केंद्र के बच्चों की प्रतिभाओं का होगा प्रदर्शन, कार्यशाला में हुई तैयारी



शाजापुर। सरस्वती विद्या मंदिर में 10 जून को सेवा भारती द्वारा संचालित संस्कार केंद्रों के बच्चों का प्रकट उत्सव आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सेवा भारती के राष्ट्रीय अधिकारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए रविवार को मां राजराजेश्वरी मंदिर परिसर में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें बच्चों को भाषण, प्रार्थना, रंगोली और सुंदरकांड के लिए प्रशिक्षित किया गया। सेवा भारती के नगर अध्यक्ष डॉ. सचिन नायक ने बताया कि संस्था पिछड़ी बस्तियों में निःशुल्क संस्कार केंद्र चलाती है। इन केंद्रों का उद्देश्य वंचित बच्चों को शिक्षा और संस्कार देकर समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है। पिछले एक महीने से विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों की प्रतिभाओं को निखारा जा रहा है। प्रकट उत्सव में नगर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित संस्कार केंद्रों के बच्चे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

धूमधाम से मनाई लोकमाता अहिल्या बाई होलकर की 300 वी जन्मजंयती



महेश्वर। माताश्री अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर सुबह 9 बजे भवानी माता बस स्टैंड से पालकी यात्रा निकाली गई, जो भवानी माता बस स्टैंड से प्रारंभ होकर जय स्तम्भ चौराहा, एमजी रोड, गांधी चौक होते हुए किला मार्ग से राजवाड़ा स्थित मां साहेब के दरबार में पहुंची, जहां नगर परिषद् अध्यक्ष अलका यादव, प्रतिनिधि गजराज यादव, उपाध्यक्ष सचिन शर्मा, सीएमओ प्रियंक पंड्या ने पूजा-अर्चना करते हुए पुण्य लाभलिया। राजवाड़ा परिसर में महाराष्ट्र तथा मध्यप्रदेश के कई श्रद्धालुओं ने भी पूजा-अर्चना करते हुए पुण्य लाभ लिया। अतिथियों द्वारा मां साहेब की आरती की गई, तत्पश्चात मिठाइयां वितरित की गई।विधायक राजकुमार मेव भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम पटेल ने प्रतिमा को चढ़ाई माला साथ राजवाड़ा परिसर में रखी गई माता की प्रतिमा पर भी माल्यार्पण करते हुए पुण्य लाभ लिया। इस अवसर पर विधायक राजकुमार मेव ने कहा कि माता अहिल्या की 300वीं जयंती के हम सहभागी है। यह हमारा सौभाग्य है। माता अहिल्या ने अपने शासनकाल में महिला सशक्तिकरण की शुरूआत की गई थी, जो आज तक हम सभी के लिए प्रेरणा का कार्य कर रही है।बैलगाड़ी पर हाथी-घोड़ा अहिल्या मां साहेब की पालकी यात्रा के दौरान होलकर वंश के प्रतीक चिह्न हाथी और घोड़ा भी बैलगाड़ी पर सवार थे। इस अवसर पर कई नगरवासी उपस्थित थे। पालकी यात्रा के पूर्व भवानी माता बस स्टैंड पर स्थापित माता अहिल्या की प्रतिमा पर जनप्रतिनिधियों तथा नगरवासियों द्वारा माल्यार्पण किया गया।

देवी अहिल्या की पावन नगरी महेश्वर तथा मंडलेश्वर के मंदिर क्षेत्र को तम्बाकू मुक्त बनाया जाये

सिटी रिपोर्टर

महेश्वर। लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की पावन नगरी महेश्वर और मण्डलेश्वर, दोनों ही अपने ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। पूरे देश में देवी अहिल्या बाई की 300वीं जन्म जयंती मनायी जा रही है। इस उपलक्ष्य में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर आज 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर खरगोन जिले के धार्मिक स्थल महेश्वर तथा मंडलेश्वर के सम्पूर्ण मंदिर क्षेत्र को तम्बाकू मुक्त बनाये जाने का निर्णय लिया गया है। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने कलेक्टर और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत खरगोन को निर्देशित किया है कि महेश्वर, मंडलेश्वर के सम्पूर्ण मंदिर क्षेत्र यथा मंदिर, किला परिसर, घाट, पार्किंग, प्रसाद काउंटर, टिकिट काउंटर, अन्न क्षेत्र इत्यादि में किसी भी प्रकार के तम्बाकू पदार्थ (सिगरेट, बीड़ी, खैनी, गुटखा, हुक्का, इलेक्ट्रानिक सिगरेट व जर्दा इत्यादि) का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाये। इन स्थलों पर यदि कोई भी श्रद्धालु एवं समस्त कर्मचारी इत्यादि उक्त नियम का उल्लंघन करते हैं तो उल्लंघन कताओं पर नियमानुसार कार्रवाई की जाये। साथ ही महेश्वर, मंडलेश्वर के संपूर्ण मंदिर क्षेत्र में सुनिश्चित करें कि किसी भी रूप में कोई तम्बाकू उत्पादों का सेवन ना करें। तम्बाकू नियंत्रण हेतु नोडल अधिकारी नामित करें। उल्लंघन की दशा में दंडात्मक कार्यवाही की जाए। दंडात्मक कार्यवाही हेतु स्थानीय प्रवर्तन दल का गठन कर निगरानी की जाये। मंदिर परिसर के अन्दर एवं बाहर मुख्य स्थानों पर ह्रतम्बाकू मुक्त क्षेत्रह्व का सूचना पटल लगायी जाये।

संभागायुक्त ने कहा है कि महेश्वर, मंडलेश्वर के सम्पूर्ण मंदिर क्षेत्र में उपरोक्त कार्यवाही करने से निर्दोष श्रद्धालुओं को तम्बाकू आपदा के खतरों से बचाने में, तम्बाकू सेवन के उपरान्त यत्र-तत्र थूकने से वातावरण को स्वच्छ रखने में एवं राज्य सरकार के नशा मुक्त एवं स्वछता अभियान में अहम योगदान होने के साथ ही जन स्वास्थ्य की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित होगी।

धार्मिक स्थल महेश्वर एवं मंडलेश्वर पवित्र सार्वजनिक स्थल के साथ महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल है। यहाँ पर आम नागरिकों का आना-जाना होता है, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे एवं महिलाएं होती है। तम्बाकू का सेवन जन स्वास्थ्य के लिए बड़े खतरों में से एक है। यह कई गंभीर बीमारी जैसे कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग आदि का कारण बन सकता है। इन बीमारियों के बारे में जानकारी होने के बावजूद भी लोग इसका सेवन करते हैं। एक रिपोर्ट में पाया गया कि तम्बाकू से संबंधित बीमारियों के कारण हर साल विश्व में लगभग 6 मिलियन लोगों की मौत होती है। अगर इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो 2030 तक यह आंकड़ा बढ़कर 8 मिलियन से अधिक भी हो सकता है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा हर साल मई के अंत में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाये जाने की घोषणा की गयी। डब्ल्यूएचओ का उद्देश्य वर्ष 2030 तक तंबाकू के सेवन को 30 प्रतिशत तक कम करना है।

भारत में 13 से 14 लाख लोगों की मृत्यु तम्बाकू सेवन से होने वाली बीमारियों के कारण हो जाती है। तम्बाकू सेवन करने वालों की प्रवत्ति यत्र-तत्र थूकने की होती है, जिसके कारण कई गम्भीर बीमारियों के संक्रमण फैलने एवं वातावरण दूषित होता है, जिससे बीमारियों के संक्रमण के लिए उपयुक्त परिस्थितियां तैयार होती है। सिगरेट, बीडी के धूम्रपान से निकलने वाले धुंए के कारण बड़ी संख्या में लोग परोक्ष धूम्रपान के शिकार होते हैं, जिसमें मुख्य रूप से महिलाएं एवं बच्चे शामिल हैं। श्रद्धालुओं को गैर संचारी एवं संचारी रोगों से बचाना अत्यंत जरुरी है। भारत सरकार द्वारा तम्बाकू आपदा से लोगों के बचाने के लिए अधिनियम कोटपा-2003, भारतीय न्याय संहिता /आईपीसी धारा-268, 269, 278, किशोर न्याय अधिनियम धारा-77 जैसे विभिन्न कानून भी बनाये गये हैं, जिनमें जुमार्ने और सजा का भी प्रावधान है।

अपराधिक न्याय व्यवस्था को और अधिक त्वरित सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने हेतु सभी स्तंभ एक मंच पर

देवास जिले को पायलट के रूप में किया गया चयनित, एडीजी एससीआरबी भोपाल जयदीप प्रसाद ने की पायलट प्रोजेक्ट की समीक्षा

सिटी रिपोर्टर



देवास । मध्यप्रदेश में अपराधिक न्याय व्यवस्था को और अधिक त्वरित , पारदर्शी एवं सुदृढ़ बनाने हेतु इस व्यवस्था के सभी स्तंभ- पुलिस, चिकित्सा, फॉरेंसिक, न्यायालय, अभियोजन एवं जेल के मध्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सूचनाओं तथा दस्तावेजों के पेपरलेस आदान-प्रदान हेतु एक ऐतिहासिक पहल की गई है। इस परिवर्तनकारी कदम के तहत पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश श्री कैलाश मकवाना द्वारा देवास जिले को पायलेट डिस्ट्रीक्ट के रूप में चयनित किया गया है, जहाँ अपराधिक न्याय व्यवस्था से जुड़े समस्त स्तंभ–पुलिस, अभियोजन, न्यायपालिका, फोरेंसिक, चिकित्सा एवं जेल विभाग–एकीकृत डिजिटल प्रणाली से आपस में जोड़े गए है। उल्लेखनीय है कि 1 जुलाई 2024 से प्रवर्तनीय नवीन कानून का मुख्य जोर अपराध पंजीकरण से लेकर न्यायालयीन निर्णय तक की प्रक्रिया को समयबद्धता प्रदान करना है , इसी परिप्रेक्ष्य में एफआईआर से लेकर अंतिम निर्णय तक के मार्ग में आने वाली समस्त प्रक्रियाओं को एवं समस्त संबद्ध विभागों को एकीकृत डिजिटल प्लेटफार्म के माध्यम से जोड़े जाने हेतु यह एक महत्वपूर्ण कदम है जिसका मूल उद्देश्य आम जनता को त्वरित न्याय प्रदायगी करना है । उक्त कार्यशाला एडीजी एससीआरबी भोपाल श्री जयदीप प्रसाद के मुख्य आतिथ्य एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुई । इस डिजिटल पहल के अंतर्गत, विवेचना, वारंट, समंस, एमएलसी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एफएसएल जांच, न्यायालयीय कार्यवाही एवं अभियोजन की जानकारियों का आदान-प्रदान एक ही प्लेटफॉर्म पर संभव हुआ है । पायलेट प्रोजेक्ट के तहत देवास प्रदेश का पहला ऐसा जिला बना है, जहाँ अधिकतम विवेचकों को टेबलेट प्रदान किए गए है, जिससे उनकी कार्यप्रणाली अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं दक्ष बनी है । उल्लेखनीय है कि अंतर विभागीय डिजिटल एकीकरण की उक्त व्यवस्था के कुछ अहम पहलू जैसे ई- समन एवं वारंट , बेल एप्लीकेशन मोड्यूल, मेड-ले-पार आदि को जिला देवास में पहले से ही सुचारू रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है ।

इस अभिनव व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कार्यशाला में विभिन्न विभागों के अधिकारियों को प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है। आगामी दिनों में पुलिसकर्मियों, चिकित्सकों, एफएसएल अधिकारियों, अभियोजन अधिवक्ताओं और विवेचकों को इस प्रणाली के उपयोग के लिए प्रशिक्षित किया गया, जिससे एक समन्वित, तेज और जनहितकारी आपराधिक न्याय प्रणाली की स्थापना की जा सके। जिसकी समीक्षा आज एडीजी एससीआरबी भोपाल श्री जयदीप प्रसाद के द्वारा की जाकर सराहना भी की गई । उक्त समीक्षा बैठक में एडीजी एससीआरबी भोपाल श्री जयदीप प्रसाद (वर्चुअल) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही, डीआईजी एससीआरबी श्री हेमंत चौहान, पुलिस अधीक्षक देवास श्री पुनीत गेहलोद,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री जयवीर सिंह भदौरिया,जिला अभियोजन अधिकारी श्री राजेंद्र सिंह भदौरिया,जिला चिकित्सा अधिकारी श्री पवन पाटीदार एवं समस्त थाना प्रभारी की गरिमामयी उपस्थिति में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। समीक्षा बैठक के शुभारंभ उपरांत सर्वप्रथम देवास पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद ने स्वागत भाषण देते हुए सभी अतिथियों का अभिनंदन किया और इस परियोजना की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अब न्याय व्यवस्था के सभी स्तंभ एक साझा डिजिटल मंच पर आपस में जुड़ेंगे, जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता, गति और सुगमता आएगी। उन्होंने उल्लेखित किया कि पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत अपराध पंजीकरण के उपरांत एमएलसी का आदान प्रदान, एफएसएल रिपोर्ट का आदान प्रदान और विवेचना उपरांत चार्जशीट का न्यायालय में प्रेषण पूर्ण रूप से डिजिटल माध्यम से पेपरलेस होगा ।साथ ही न्यायालय द्वारा जारी समस्त समन और वारंट भी ऑनलाइन तामील किए जाएँगे ।इसी प्रकार पुलिस और अभियोजन के मध्य सूचनाओं / दस्तावेजों का आदान प्रदान भी पेपरलेस होगा ।

"New Criminal Law and Digital integration Reforming Justice for the Future" विषय पर केंद्रित कार्यशाला में पुलिस, अभियोजन, न्यायपालिका, जेल और फोरेंसिक विभाग की प्रक्रियाओं के डिजिटल एकीकरण की विस्तृत जानकारी दी गई। एडीजी एससीआरबी भोपाल श्री जयदीप प्रसाद ने बताया कि उक्त पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत जहाँ प्रथम माह में डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर, इक्विपमेंट की उपलब्धता और प्रशिक्षण पर जोर दिया जाकर प्रत्येक स्टेकहोल्डर विभाग के नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए वहीं दूसरे महीने से क्रियान्वयन पर जोर दिया गया ।

साथ ही डिजिटलीकरण में आने वाली व्यवहारिक समस्याओं को समांतर रूप से हल भी किया जा रहा है । समीक्षा बैठक पश्चात खुली चर्चा के दौर में अधिवक्ताओं , पुलिस अधिकारियों एवं चिकित्सकों द्वारा विभिन्न प्रश्न पूछे गए जिनके जवाब मंचासीन अधिकारी महोदय द्वारा दिए गए । एडीजी एससीआरबी भोपाल श्री जयदीप प्रसाद ने समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुवे इसे आपराधिक न्याय प्रणाली हेतु एक अहम पड़ाव बताया, साथ ही न्यायपालिका द्वारा प्रचलित सीआईएस सिस्टम को सीसीटीएनएस से उत्तरोत्तर संबद्ध करने पर जोर दिया ।

साथ ही देवास पुलिस को 400 और टैबलेट देने की भी घोषणा की गई है जो कि विवेचकों को प्रदान दिए जाएंगे जिससे कि उनकी कार्यप्रणाली अधिक सुदृढ़,पारदर्शी एवं दक्ष बनाई जा सके । जिला अभियोजन अधिकारी राजेंद्र सिंह भदौरिया ने देवास न्यायपालिका द्वारा डिजिटलीकरण हेतु किए गए प्रयासों का उल्लेख किया एवं न्याय व्यवस्था के समस्त स्तंभों को डिजिटल प्लेटफार्म पर जोड़ने को समय की आवश्यकता बताया ।

आभार प्रदर्शन एएसपी (शहर) श्री जयवीर सिंह भदौरिया ने किया। इस दौरान डीपीओ देवास, सीएमएचओ, एवं समस्त थाना प्रभारी उपस्थित रहे ।

भाई से फोन पर बात की 10 मिनट बाद मौत

सिटी रिपोर्टर



शाजापुर। कोतवाली थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। घटना से थोड़ी देर पहले उसने भाई से फोन पर बात की थी। इसके बाद वह अज्ञात वाहन की चपेट में आ गया। घटना के बाद वाहन चालक फरार हो गया।

युवक की पहचान लखमनखेड़ी निवासी संतोष मेवाड़ा पिता पर्वत सिंह (35) के रूप में हुई है। हादसा शनिवार रात करीब 9 से 10 बजे के बीच बिजाना रोड बायपास पर पीलिया खाल के पास हुआ। लोगों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मृतक के भाई हरिओम मेवाड़ा ने बताया कि दुर्घटना से 5-10 मिनट पहले बड़े भाई संतोष ने परिचित अरुण मालवीय को फोन किया था। अरुण ने संतोष से हरिओम की बात करवाई थी। हरिओम का फोन खराब होने के कारण बंद आ रहा था। इसी बारे में संतोष ने भाई से पूछा था। सिर्फ इतना कहा था कि तेरा फोन बंद क्यों आ रहा है। इसके बाद फोन कट गया। इसके कुछ देर बाद हादसे की सूचना मिली। मृतक संतोष पेशे से हम्माल था। वह रोजाना शाजापुर से अपने गांव लखमनखेड़ी आता-जाता था। जिला अस्पताल पुलिस चौकी पर पदस्थ प्रधान आरक्षक भगवानदास बैरागी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंपा जाएगा। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

देवी अहिल्याबाई की जयंती पर नगर में निकला महिला शक्ति दल का अखाड़ा



सिटी रिपोर्टर

शाजापुर। मस्तक पर पगड़ी, हाथों में लाठी, ढोल की थाप और अखाड़े की कला का अद्भुद प्रदर्शन। ये दृश्य था शनिवार शाम को नगर में महिला शक्ति दल द्वारा निकाले गए अखाड़े का। देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर नगर में महिला शक्ति दल द्वारा अखाड़ा निकाला गया। इसमें छोटी-छोटी बालिकाओं से लेकर युवतियों एवं महिलाओं ने अपनी शस्त्र कला का प्रदर्शन किया। जिसे देखकर नगरवासियों ने मुक्त कंठ से सराहना की। साथ ही जगह-जगह अखाड़े का पुष्पवर्षा कर स्वागत भी किया गया।

शस्त्रकला सीखने के लिए नगर में अलग-अलग स्थानों पर बालिकाएं, युवतियां एवं महिलाएं पहुंच रही थी। लगातार की गई तैयारियों का परिणाम शनिवार को दिखाई दिया। दासदल हनुमान अखाड़ा के अंतर्गत महिला शक्तिदल द्वारा शनिवार शाम करीब 6 बजे दासदल हनुमान अखाड़ा बादशाह पुल से अखाड़ा प्रारंभ किया। इसमें सबसे आगे घोड़े पर युवतियां हाथो में भगवा पताका लिए सवार थी। इसके पीछे महिला शक्ति दल के अखाड़े में छोटी-छोटी बालिकाओं से लेकर युवतियां और महिलाएं अपनी शस्त्रकला का लाठियों के माध्यम से प्रदर्शन कर रही थी। महिला शक्ति दल के इस अखाड़े को देखकर सभी ने जमकर सराहना की। नगर में गणमान्यजनों सहित नगरवासियों एवं विभिन्न संगठनों द्वारा महिला शक्ति दल अखाड़े के प्रशिक्षकों सहित पूरे अखाड़े का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए किला परिसर में पहुंचकर अखाड़ा संपन्न हुआ।

लोकमाता देवी अहिल्या जयंती अंतर्गत हुई भजन संध्या

सिटी रिपोर्टर



बैडिया। लोकमाता अहिल्या बाई के 300 वें जन्म दिवस के उपलक्ष में अहिल्या बाई के चित्र पर माल्यार्पण कर बैडिया नगर में महिला मोर्चा के तत्वावधान मे स्थानीय राम मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें प्रभारी बहन कौशल्या देवी पंडित ने अपने उद्बोधन में कहा कि लोक माता अहिल्या देवी भारतीय इतिहास की एक ऐसी प्रेरणादाई महिला शासक की जिन्होंने शासन को जन सेवा का माध्यम बनाया। जिला महामंत्री मोनिका सोनी ने बताया कि लोकमाता न्याय प्रिय शाषक थी। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्रीमती रीना अजय शाह, मनीषा सेन, सुमन बाई राठौड़,निधि घाटे, प्रभा सोनी, सीमा जैन,रेखा राठौड़,रोमिता घाटे आदि शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में मंडल अध्यक्ष श्रीमती रीना शाह ने सभी का आभार माना।

संत शिरोमणि रविदासजी युवा एकता संगठन द्वारा रविवार को सामुदायिक भवन निर्माण का भूमिपूजन किया गया

सिटी रिपोर्टर



सनावद । समारोह का शुभारंभ संत रविदास एवं संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ.भीमराव आंबेडकर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि विधायक सचिन बिरला ने संगठन के सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 11 लाख रु प्रदान करने की घोषणा की। सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 5 हजार वर्गफीट भूमि दानदाता कड़वाजी कोठारे का विधायक एवं संगठन के पदाधिकारियों ने शॉल,श्रीफल से सम्मान किया। इसी प्रकार संगठन के अध्यक्ष कालू ठेकेदार वछानपुरे ने 50 हजार एवं सदस्य डॉ. दिनेश पिपले ने 51 हजार प्रदान किए। विधायक ने कहा कि संत शिरोमणि रविदासजी युवा एकता संगठन द्वारा परस्पर सहयोग के माध्यम से सामुदायिक भवन का निर्माण किया जा रहा है। यह बड़ी प्रसन्नता का विषय है।विधायक ने कहा कि सामुदायिक भवन के निर्माण से वैवाहिक, सामाजिक,धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन में समाजजनों को बड़ी सहूलियत मिलती है।

समारोह में उपस्थित समाजजनों ने सामुदायिक निर्माण हेतु उदारतापूर्वक दान दिया। समाजसेवी मुश्ताक मलिक ने सामुदायिक भवन निर्माण हेतु पांच ट्रॉली गिट्टी प्रदान करने की घोषणा की। इस दौरान भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष मानसिंह राठौर,नपाध्यक्ष प्रतिनिधि इंदर बिर्ला, संगठन के पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल सगोरे,उपाध्यक्ष सुरेश सगोरे,सचिव बसंत सगोरे,कोषाध्यक्ष मांगीलाल सगोरे,श्रीराम वाछनपुरे,आनंदराम सगोरे,आशाराम वर्मा,रमेशचंद पिपल्या,गंगाराम वर्मा,राकेश कोठारे,राधेश्याम वछाने,हरिशंकर वछाने,गौतम सगोरे, सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

बैंक जमा बीमा के स्तर को बढ़ाने की कवायद के मायने

केंद्र सरकार बैंक जमा बीमा के स्तर को मौजूदा 5 लाख रुपए से बढ़ाने पर विचार कर रही है। हालांकि अंतिम निर्णय अभी तक नहीं लिया गया है लेकिन इस सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपए किया जा सकता है। जमा राशि का बीमा जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम द्वारा किया जाता है जो वाणिज्यिक और सहकारी बैंकों में हर प्रकार के जमा को कवर करता है। सरकार द्वारा जमा पर बीमा की सीमा बढ़ाने पर विचार किया जाना वास्तव में स्वागतयोग्य कदम है। मौजूदा अनुमानों के मुताबिक बीमाकृत बैंकों के 98 फीसदी खातों को बीमा सुरक्षा हासिल है जबकि सुलभ जमा खातों में से केवल 43 फीसदी ही सुरक्षित हैं। ऐसे में बीमा की सीमा बढ़ाने से जमा अधिक सुरक्षित होगा। चूंकि नीति निर्माता अभी भी सीमा बढ़ाने की प्रक्रिया में हैं इसलिए बेहतर होगा कि वे ग्राहकों के बीच प्रौद्योगिकी को तेजी से अपनाए जाने के साथ-साथ हालिया वैश्विक घटनाक्रम को भी ध्यान में रखें। यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि बैंकिंग अभी भी एक अस्थिर कारोबार है। यह भी एक वजह है जिसके चलते जमा का बीमा किया जाता है। बैंक ज्यादातर अल्पावधि के जमा के आधार पर लंबी अवधि के ऋण देते हैं। अगर सभी जमाकर्ता एक साथ अपनी राशि वापस मांगें तो शायद कोई भी बैंक उनका पैसा वापस करने की स्थिति में नहीं होगा। ऐसे में किसी बैंक के नाकाम होने की खबर मात्र भी उसकी नाकामी की वजह बन सकती है।

बैंकिंग अभी भी एक अस्थिर कारोबार है। यह भी एक वजह है जिसके चलते जमा का बीमा किया जाता है। बैंक ज्यादातर अल्पावधि के जमा के आधार पर लंबी अवधि के ऋण देते हैं। अगर सभी जमाकर्ता एक साथ अपनी राशि वापस मांगें तो शायद कोई भी बैंक उनका पैसा वापस करने की स्थिति में नहीं होगा। ऐसे में किसी बैंक के नाकाम होने की खबर मात्र भी उसकी नाकामी की वजह बन सकती है। जमा बीमा यह सुनिश्चित करता है कि जमाकर्ता अपने पैसे की निकासी की हड़बड़ी न करें क्योंकि ऐसा होने पर तनाव के समय हालात खराब हो सकते हैं।

जमा बीमा यह सुनिश्चित करता है कि जमाकर्ता अपने पैसे की निकासी की हड़बड़ी न करें क्योंकि ऐसा होने पर तनाव के समय हालात खराब हो सकते हैं। हालांकि, अगर बीमा की सीमा बहुत कम रहती है तो वांछित उद्देश्य ही पूरा नहीं होगा। इसी वजह से इस सीमा में नियमित रूप से इजाफा किया जाता है। इसकी सीमा को वर्ष 2020 में एक लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए किया गया था।

तकनीक के व्यापक रूप से अपनाए जाने को देखते हुए अब यह संभव हो गया है कि बैंकों के ग्राहक अपने फंड को दिन में किसी भी समय, बिना बैंक शाखा गए हस्तांतरित कर सकें। इससे संकट के समय समस्या बहुत बड़ी हो सकती है। ऐसे में यह महत्त्वपूर्ण है कि जमा बीमा की सीमा में इजाफा किया जाए ताकि किसी बैंक की नाकामी की स्थिति में जमाकर्ताओं को नुकसान का जोखिम खत्म किया जा सके। यह न केवल व्यक्तिगत जमाकर्ताओं के नजरिये से महत्त्वपूर्ण है बल्कि यह बैंकिंग की स्थिरता बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा। एक परस्पर जुड़ी वित्तीय व्यवस्था में घबराहट बहुत तेजी से फैल सकती है और अच्छे से अच्छे बैंक में नकदी संकट की शुरूआत कर सकती है।

वर्ष 2023 के सिलिकन वैली बैंक संकट का उदाहरण लिया जा सकता है। तब घबराहट फैलने के कारण संबंधित अधिकारियों ने घोषणा की थी कि प्रत्येक जमा की रक्षा की जाएगी। इसके चलते व्यापक बैंकिंग संकट से बचने में मदद मिली। यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी जमाकर्ताओं को आश्वस्त करने के लिए हस्तक्षेप किया था। जमा बीमा की सीमा में महत्त्वपूर्ण इजाफा करने की बुनियादी वजह यह है कि व्यक्तिगत जमाकर्ताओं से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे धनराशि जमा करने के पहले बैंकों की बैलेंस शीट का विश्लेषण करेंगे। बैंक खाता एक बुनियादी आधुनिक आवश्यकता है। जमा की सुरक्षा भी सरकार की जिम्मेदारी होनी चाहिए। इसे बैंकिंग नियामक की मदद से अंजाम दिया जा सकता है। लेकिन यह अपवाद केवल बैंक खातों के लिए होना चाहिए न कि अन्य वित्तीय योजनाओं के लिए जहां जमाकर्ता उच्च रिटर्न की आशा में अधिक जोखिम उठाने का इच्छुक हो। एक संभावित अस्थिर बैंकिंग व्यवस्था अर्थव्यवस्था के सहज कामकाज में बाधक हो सकती है और दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं पर असर डाल सकती है। वहीं दूसरी ओर बहुत ज्यादा बीमा स्तर बैंक प्रबंधन को उच्च जोखिम लेने के लिए प्रोत्साहित कर सकता है क्योंकि जमा की सुरक्षा की गारंटी होती है। यह एक वास्तविक आशंका है और बेहतर नियमन और निगरानी के जरिये इसे हल करना होगा। एक बड़ी अर्थव्यवस्था में बैंकों का दबाव में आना अभी भी संभव है। बहरहाल, व्यक्तिगत जमाकताओं से इसकी कीमत चुकाने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

बढ़ती आबादी को ताकत बनाने की जरूरत



चिंता की बात है कि देश में जनसंख्या की विशालता से मिलने वाला लाभ कहीं आबादी से बना दुःस्वप्न बनकर न रह जाए। लंबे समय से जनसंख्या के आंकड़ों के हिसाब से मिलने वाले फायदे-नुकसानों के बारे में बोलता-लिखता आया हूं। राजनेता और उनके दलाल यह जाने बिना कि शब्दों का अर्थ क्या है, इसको लपक कर दोहराने लगते हैं। चुनौतियां हमारे सामने हैं।

मोहन गुरुस्वामी

चिंता की बात है कि देश में जनसंख्या की विशालता से मिलने वाला लाभ कहीं आबादी से बना दुःस्वप्न बनकर न रह जाए। लंबे समय से जनसंख्या के आंकड़ों के हिसाब से मिलने वाले फायदे-नुकसानों के बारे में बोलता-लिखता आया हूं। राजनेता और उनके दलाल यह जाने बिना कि शब्दों का अर्थ क्या है, इसको लपक कर दोहराने लगते हैं। चुनौतियां हमारे सामने हैं। वह भारत, जिसकी जनसंख्या 134 करोड़ है, अब विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला राष्ट्र है। लेकिन भारत हमेशा इतना बड़ा नहीं था, जितना कि आज है, चाहे यह जनसंख्या हो या अर्थव्यवस्था।

वह भारत, जिसकी जनसंख्या 134 करोड़ है, अब विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला राष्ट्र है। लेकिन भारत हमेशा इतना बड़ा नहीं था, जितना कि आज है, चाहे यह जनसंख्या हो या अर्थव्यवस्था। वर्ष 1921, जिसे 'विभाजन का बड़ा साल' कहा जाता है, भारत के जनसांख्यिकीय इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। इस साल मृत्यु दर में काफी गिरावट आई और जनसंख्या वृद्धि की दर अपेक्षाकृत स्थिर रहने वाली लीक से हटकर तेजी से बढ़ने होने की शुरूआत हुई। वर्ष 1801-1921 के बीच जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार काफी धीमी रही, लगभग 20 करोड़ से 22 करोड़ होना। लेकिन 1921 के बाद से हमारी जनसंख्या बढ़ोतरी वास्तव में आज आकाश को छूने की कगार पर है।

जनसंख्या में वृद्धि 1981 में 2.22 प्रतिशत की उच्चतम दर को छू गई थी, उसके बाद से बढ़ोतरी दर घटने की ओर है। एक सदी की अवधि के अंदर, भारत की जनसंख्या में छह गुना इजाफा हुआ। अनुमान बताते हैं कि भारत में पिछले सौ वर्षों में लगभग 200 मिलियन लोग जुड़े और वर्तमान सदी के मध्य तक 200 मिलियन और लोग जुड़ने की उम्मीद है। भिन्न अनुमानों का मध्य आंकड़ा बताता है कि वर्ष 2005-50 के बीच, भारत की जनसंख्या में लगभग 45 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी। वृद्ध जनसंख्या (65 वर्ष से अधिक उम्र वाले) का अनुपात 2050 में 5 प्रतिशत से बढ़कर 14.5 प्रतिशत हो जाएगा, संख्या के मुताबिक कहें तो इनकी गिनती 5.7 करोड़ से बढ़कर 24 करोड़ हो जाएगी। उन्नत देशों की बुजुर्ग आबादी के अनुभवों के आधार पर हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि वृद्धों की बढ़ती संख्या के लिए हमें कराधान, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य देखभाल संबंधित अपनी नीतियों में समुचित योजनाएं बनाने की आवश्यकता पड़ेगी। वृद्धों की संभाल पर खर्चा अधिक होता है।

चिंता का एक अन्य बड़ा पहलू है बढ़ता जनसंख्या घनत्व। अनुमान है कि जहां यह 2005 में 345 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर था, 2050 में बढ़कर 504 प्रति वर्ग किलोमीटर हो जाएगा। बढ़ते शहरीकरण के चलन के साथ इसे जोड़कर देखने पर, आने वाले सालों में समस्याओं में इजाफे का संकेत मिलता है। साल 2000 में, कुल आबादी का केवल 28.7 प्रतिशत या लगभग 30 करोड़ लोग शहरी क्षेत्रों में बसे हुए थे; अब अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या कुल आबादी की 40.7 प्रतिशत या लगभग 60 करोड़ हो जाएगी।

इस भारी वृद्धि में विशेष रूप से मध्यम और कामकाजी वर्ग की बढ़ती आर्थिक शक्ति की भूमिका है। इसके मद्देनजर, पर्याप्त रूप से उन्नत आवास एवं शहरी बुनियादी ढांचा, मसलन, जल, सीवरेज, जन सुविधाएं, तीव्र गति परिवहन, यातायात प्रबंधन एवं पार्किंग, ऊर्जा और दूध एवं दुग्ध उत्पाद, प्रसंस्कृत खाद्य व बागवानी उत्पाद जैसे भोज्य पदार्थों की अधिक खपत और उनके कुशल वितरण के लिए प्रावधान करने की आवश्यकता पड़ेगी।

अनुमान है कि 15-64 वर्ष आयु वर्ग की गिनती जो कि 2005 में कुल आबादी का 62 प्रतिशत थी, 2050 में बढ़कर लगभग 67.3 प्रतिशत हो जाएगी, संख्या के हिसाब से कहें, तो 70 करोड़ से 112 करोड़ होना। फिलहाल भारत में हर साल कामकाजी वर्ग में 1 करोड़ 20 लाख लोग जुड़ रहे हैं। इस आयु वर्ग में वृद्धि 2030 तक तेज रहेगी, जिसके बाद से इसमें शुरू हुई गिरावट इस स्तर पर पहुंच जाएगी कि 2045-50 के बीच शायद ही कोई वृद्धि हो, जो कि 15-64 जनसंख्या समूह की संख्या में स्थिरीकरण और उसके बाद से इसके बुढ़ाते जाने का संकेत है।

यह चक्र प्राकृतिक है क्योंकि जनसंख्या वृद्धि में ठहराव आता रहता है। अगले तीन दशकों की तात्कालिक चुनौती है, पहले करोड़ों नौकरियों का सृजन करना और फिर श्रमिकों की उपलब्धता में तेज गिरावट से निपटना। जैसा कि हाल-फिलहाल चीन को अनुभव करना पड़ रहा है।

जनसांख्यिकीय परिभाषा में जनसंख्या स्थिरीकरण का अर्थ है एक निश्चित समयावधि में जन्म और मृत्यु दर एक समान रहना। अधिक बारीकी से कहें तो, यदि किसी आबादी की प्रजनन दर 2.1 हो जाए, तो उसे जनसंख्या स्थिर होने की संज्ञा दी जाती है। एनपीपी 2000 में परिकल्पना की गई थी कि वर्ष 2045 तक भारत को जनसंख्या स्थिरीकरण बनाना पड़ेगा। यह लक्ष्य इस धारणा पर आधारित है कि देश को वर्ष 2010 तक जनसंख्या का प्रतिस्थापन स्तर टीएफआर 2.1 तक ले आना चाहिए था। हम यह पाने में चूक गए। हालांकि टीएफआर के हालिया आंकड़े 2045 तक भी इस लक्ष्य की प्राप्ति न हो पाने का संकेत दे रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय अब जनसंख्या स्थिरीकरण पाने के वास्ते वर्ष 2060 को एक संभावित लक्ष्य के रूप में देखने लगा है। यहां पर यह उल्लेख करना उचित होगा कि जनसंख्या स्थिरीकरण, प्रतिस्थापन प्रजनन क्षमता (यानी जितने मरें, उतने पैदा हों) बनने के बहुत बाद जाकर बनता है। वर्ष 1996 में योजना आयोग द्वारा गठित जनसंख्या पर तकनीकी समिति द्वारा किए गए एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया था कि भारत 2026 तक प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन दर प्राप्त कर पाएगा। लेकिन, हिंदी भाषी राज्यों में यह बिहार में 2039 तक, राजस्थान 2048 तक, मध्य प्रदेश 2060 से आगे और उत्तर प्रदेश में 2100 के बाद ही संभव होगा। हमें 2060 या 2070 से पहले राष्ट्रीय जनसंख्या स्थिरीकरण पाने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। ये क्षेत्रीय असमानताएं इन राज्यों में अनुमानित जनसंख्या में खतरनाक वृद्धि के रूप में फलीभूत होंगी। 1991-2050 के दौरान भारत की जनसंख्या में होने वाली 77.3 करोड़ की वृद्धि में अकेले उत्तर प्रदेश का हिस्सा 19.8 करोड़ रहेगा। जोकि सकल राष्ट्रीय जनसंख्या वृद्धि का लगभग एक-चौथाई बनता है।

आइए एक नजर डालते हैं कि आने वाले वर्षों में प्रति व्यक्ति आय कितनी रहेगी। साल 2005 में एक शोधपत्र आया था 'क्या भारत एक आर्थिक महाशक्ति बन पाएगा, क्या वास्तव में और इसमें क्या-क्या रूकावट बन सकता है।' विश्व बैंक में भारत के लिएइसके प्रमुख अर्थशास्त्री स्टीफन होवेस ने ऐतिहासिक विकास दरों के आधार पर 2050 तक प्रति व्यक्ति आय का अनुमान लगाया था। यह दशार्ता है कि बिहार, उड़ीसा, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल में 2050 में प्रति व्यक्ति आय 1000 अमेरिकी डॉलर सालाना से कम रहेगी, जो कि वर्तमान प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद से कम है। निश्चित तौर पर 2050 में होने वाली आय से तो और भी कम। कोई हैरानी नहीं कि ये सूबे वही हैं, जिनकी जनसंख्या वृद्धि दर बहुत ज्यादा है। वर्ष 2020 में, भारत में 15-24 आयु वर्ग के लोगों की गिनती 24.5 करोड़ से अधिक थी। यदि बचत दरें आज जितनी बनी रहें और 2020 वाली उच्च उत्पादन क्षमता कायम रहे, तब जाकर 2050 तक हमारे पासभारत को एक विकसित और समृद्ध अर्थव्यवस्था बनाने का एक बड़ा अवसर बनेगा। यह तभी संभव होगा यदि हम लोगों को शिक्षित और सशक्त बना पाएंगे। जनसांख्यिकीय आंकड़ों का ऐसा समुच्य फिर कभी देखने को नहीं मिलेगा। अगर हमें अगली आधी सदी में गरीबी के मकड़जाल से बाहर निकलना है, तो मानव और आर्थिक विकास में बड़े निवेश करने का समय अभी है। दुर्भाग्य से, ऐसा कोई संकेत मिल नहीं रहा।

बिजनेस/खेल

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण बोलीं- उद्यमी हैं संपत्ति निर्माता, फायदा कमाना अब अपराध नहीं



नई दिल्ली। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा हकै कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार उद्यमियों को 'संपत्ति निर्माता' मानती है, क्योंकि वे जो मुनाफा कमाते हैं, अगर वह नैतिक तरीकों से हो, तो वह देश के विकास में मदद करता है। वित्तमंत्री पंडित दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानववाद व्याख्यान की 60वीं वर्षगांठ पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत में संपत्ति बनाना कभी भी गलत नहीं माना गया। हमने संपत्ति निर्माण को बढ़ावा दिया है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम उद्यमियों को संपत्ति निर्माता कहते हैं, न कि चोर। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसा मुनाफा जो ईमानदार और नैतिक तरीकों से कमाया गया हो, वही असली संपत्ति बनाता है। यह संपत्ति देश को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और श्रमिकों की गरिमा देने में मदद करती है। इससे न केवल लोगों का जीवन स्तर सुधरता है बल्कि पूरे देश की आत्मा और गति को भी मजबूती मिलती है।

वित्तमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को याद करते हुए कहा कि जब भी कोई नीति बनाई जाए तो सबसे नीचे खड़े व्यक्ति को ध्यान में रखा जाना चाहिए ताकि उसे ऊपर उठाया जा सके और उसकी गरिमा बनी रहे। उन्होंने कहा, चाहे वो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हों या वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इन दोनों नेताओं के शासनकाल में बनाई गई सभी नीतियों में एकात्म मानववाद की भावना साफ दिखती है।

सीतारमण ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का नारा पंडित उपाध्याय की अंत्योदय की सोच से मेल खाता है। इसका मतलब है- समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना। उन्होंने आगे कहा, अगर हम हर व्यक्ति को गरीबी से बाहर निकालें, उन्हें रोजगार दें, बुनियादी जरूरतें दें, तो उनका जीवन स्तर सुधरता है। और जब ऐसा होता है, तो वे देश की उत्पादन क्षमता का हिस्सा बनते हैं। इससे पूरे देश की आर्थिक प्रगति होती है।

वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार, किसी भी राष्ट्र के लिए राष्ट्रीय रक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। इस दिशा में प्रधानमंत्री मोदी 2014 से ही आत्मनिर्भर भारत के तहत रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर इसी सोच का परिणाम है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ सरकारें कहती थीं कि उनके पास रक्षा खरीद के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन मोदी सरकार ने यह सोच बदल दी है।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि करदाताओं की सेवा करना विभाग के अधिकारियों का कर्तव्य है और उन्हें यह कार्य पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ करना चाहिए। वित्त मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि करदाताओं को सेवा प्रदान करना हमारा कर्तव्य है। करदाताओं की सेवा करते समय, उनका विश्वास और भरोसा जीतने के लिए पारदर्शिता और ईमानदारी बेहद जरूरी है। मुझे विश्वास है कि बोर्ड और क्षेत्रीय संरचनाएं संवेदनशील और उत्तरदायी बनी रहेंगी। उनका यह बयान जीएसटी रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन करने वाली एक व्यावसायिक इकाई के मामले में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के दिए विस्तृत स्पष्टीकरण के जवाब में दिया गया था। आवेदक ने आवेदन की प्रक्रिया में देरी की शिकायत की थी। सीबीआईसी ने जवाब के तौर पर मामले के पेंडिंग होने के पीछे विस्तृत स्पष्टीकरण पेश किया।

सीबीआईसी ने कारण बताया कि करदाता कंपनी की ओर से साइन करने वाले व्यक्ति के पद को लेकर पूछे गए विशेष सवाल का जवाब न मिलने की वजह से यह देरी हो रही है। लिंक्डइन पर जीएसटी रजिस्ट्रेशन मुद्दे के बारे में लिखने वाले विनोद गुप्ता के मामले के तथ्य का हवाला देते हुए सीबीआईसी ने एक्स पर कहा, आवेदन इस सप्ताह 26 मई (सोमवार) को दायर किया गया था, जिसे दिल्ली राज्य जीएसटी को सौंपा गया था. इस मामले में केंद्रीय जीएसटी अधिकारियों की कोई भूमिका नहीं थी। बयान में आगे कहा गया कि दिल्ली राज्य जीएसटी अधिकारियों के अनुसार, मामले पर तुरंत काम किया गया था और कंपनी की ओर से रेंट एग्रीमेंट पर साइन करने वाले व्यक्ति के मिसिंग डिजिगनेशन के बारे में एक प्रश्न उठाया गया था। इस स्तर पर एआरएन करदाता की ओर से जवाब की वजह से पेंडिंग था और करदाता को इसकी जानकारी दी गई थी। बयान में बताया गया कि पेंडिंग जानकारी प्राप्त होने पर दिल्ली जीएसटी अधिकारी आवेदन पर कार्रवाई करेंगे। सीबीआईसी ने आवेदक से तथ्यों को बिना जाने सोशल मीडिया पर गलत जानकारी प्रसारित न करने का भी अनुरोध किया है।

फ्रांस में लियोनेल मेसी के पूर्व क्लब पीएसजी के जश्न में भयानक खूनी संघर्ष



नई दिल्ली। यूनियन ऑफ यूरोपियन फुटबॉल एसोसिएशन यानी यूईएफए में पेरिस सेंट जर्मेन ने खिताब जीत कर इतिहास रच दिया। फुटबॉल के महान खिलाड़ी लियोनेल मेसी भी इस क्लब के लिए खेल चुके हैं, लेकिन पीएसजी की इस ऐतिहासिक जीत के बाद उसके फैंस इतने उग्र हो गए कि जीत जश्न मातम में बदल गया। फाइनल में पीएसजी ने इंटर मिलान को 5-0 से हराया जो चैंपियंस लीग फाइनल में अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इस ऐतिहासिक जीत के बाद पेरिस की सड़कों पर हजारों फैंस जमा हो गए, लेकिन ये जश्न जल्द ही हिंसा में बदल गया जिससे देशभर में अराजकता फैल गई।

पेरिस में चैंप्स एलीजे और पार्क डेस प्रिंसेस स्टेडियम के आसपास हजारों फैंस इकट्ठा हुए। लेकिन कुछ समय बाद, पुलिस और फैंस के बीच झड़पें शुरू हो गईं। आंतरिक मंत्रालय के अनुसार राजधानी में अकेले 491 लोग गिरफ्तार किए गए, जिनमें से अधिकांश ने पटाखे जलाए थे या सार्वजनिक व्यवस्था को भंग किया था। देशभर में करीब 600 से ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पीएसजी की इस जीत के जश्न दुर्भाग्यवश दो लोगों की मौत हो गई। पेरिस में एक व्यक्ति स्कूटर से गिरकर कार की चपेट में आ गया, जबकि दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के डैक्स में एक 17 साल के लड़के की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। इसके अलावा ग्रेनोबल शहर में एक कार ने जश्न मना रहे फैंस को टक्कर मार दी, जिससे चार लोग घायल हो गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। पुलिस ने बताया कि सभी पीड़ित एक ही परिवार के सदस्य थे।

इस घटना ने यह सवाल खड़ा किया है कि बड़े खेल आयोजनों के दौरान भीड़ को मैनेज और सार्वजनिक सुरक्षा कैसे बेहतर की जा सकती है। अधिकारियों ने कहा है कि वे इस घटना की समीक्षा करेंगे ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

जर्मनी के म्यूनिख स्थित एलियांज अरेना में खेले गए यूएफा चैंपियंस लीग फाइनल में पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने इंटर मिलान को 5-0 से रौंदते हुए खिताबी जीत दर्ज की। मुकाबले की शुरूआत से ही पीएसजी का दबदबा देखने को मिला। टीम ने 12वें मिनट में अशरफ हकीमी के शानदार गोल से खाता खोला, जिसके बाद डेआईरी डूआय ने 20वें मिनट में दूसरा गोल दागकर बढ़त को दोगुना कर दिया। हाफ टाइम तक पीएसजी 2-0 से आगे थी। दूसरे हाफ में भी टीम का आक्रामक प्रदर्शन जारी रहा। डेआईरी ने 63वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। वहीं ख्विचा क्वारातखेलिया ने 73वें और सेनी मयूलू ने 86वें मिनट में गोल कर जीत को एकतरफा बना दिया। इंटर मिलान पूरे मैच में संघर्ष करता रहा लेकिन पीएसजी के सामने उसका कोई जवाब नहीं था। इस ऐतिहासिक जीत के साथ पीएसजी ने पहली बार चैंपियंस लीग ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

पीएसजी की ऐतिहासिक जीत के बाद पेरिस की सड़कों पर जश्न ने हिंसक रूप ले लिया। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, फैंस ने न केवल आतिशबाजी की बल्कि सड़कों और गाड़ियों में आग लगाकर शहर का माहौल बिगाड़ दिया। पुलिस को हालात संभालने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ी और रातभर चले हंगामे के दौरान 131 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इतना ही नहीं रविवार को भी उपद्रव जारी रहा। कुछ प्रशंसक मास्क पहनकर सड़कों पर पटाखे फोड़ते रहे, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले भी दागने पड़े। जीत का यह जश्न पेरिस के लिए परेशानी का सबब बन गया।

लोक पत्रिका
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

मानव चेतना के उत्थान और आत्मज्ञान की खोज का प्रतीक है गया का

महाबोधि मंदिर

श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमार, जापान, चीन, तिब्बत से भी आते हैं श्रद्धालु

भारत की भूमि आध्यात्मिकता और धर्म की जन्मभूमि रही है। यहाँ अनेक तीर्थस्थल, मंदिर और धार्मिक स्थलों की भरमार है जो न केवल देशवासियों को बल्कि समस्त विश्व को आकर्षित करते हैं। ऐसा ही एक पवित्र और ऐतिहासिक स्थल है महाबोधि मंदिर, जो बिहार राज्य के गया जिले में स्थित है। यह मंदिर न केवल बौद्ध धर्म का एक प्रमुख तीर्थस्थल है, बल्कि मानव चेतना के उत्थान और आत्मज्ञान की खोज का प्रतीक भी है। यह वही स्थान है जहाँ गौतम बुद्ध ने बोधिवृक्ष के नीचे बैठकर ज्ञान प्राप्त किया और "बुद्ध" बने।

मंदिर का इतिहास क्या है?

महाबोधि मंदिर का सीधा संबंध गौतम बुद्ध से है। ईसा पूर्व 6वीं शताब्दी में कपिलवस्तु के राजकुमार सिद्धार्थ ने संसार की नश्वरता, दुख और मृत्यु को देखकर घर त्याग दिया और ज्ञान की खोज में निकल पड़े। वर्षों तक कठोर तपस्या और साधना के बाद वे गया पहुंचे। यहीं स्थित एक पीपल के वृक्ष (जिसे आज बोधिवृक्ष कहा जाता है) के नीचे उन्होंने सात सप्ताह तक ध्यान किया और अंततः उन्हें आत्मज्ञान प्राप्त हुआ। यहीं से वे "बुद्ध" कहलाए – अर्थात् 'जाग्रत व्यक्ति'। महाबोधि मंदिर का मूल निर्माण सम्राट अशोक द्वारा तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में कराया गया था। अशोक बौद्ध धर्म के महान संरक्षक थे। बोधगया की यात्रा के दौरान उन्होंने इस पवित्र स्थल पर एक स्तूप और मंदिर का निर्माण कराया। कालांतर में यह मंदिर कई बार ध्वस्त हुआ, पुनर्निर्मित हुआ, और कई राजाओं द्वारा इसका जीर्णोद्धार किया गया।

महाबोधि मंदिर कहां है ?

महाबोधि मंदिर बोधगया बिहार की राजधानी पटना से दक्षिण में 115 किमी और पूर्वी भारत के गया जिला मुख्यालय से 16 किमी दूर स्थित है। भगवान बुद्ध के जीवन से संबंधित चार पवित्र स्थानों में से एक है। यह परिसर भारतीय उपमहाद्वीप में 5वीं-6वीं शताब्दी के प्राचीनकाल के सबसे बड़े अवशेषों को समाहित करती है। कुल क्षेत्रफल 4.8600 हेक्टेयर है। भारत में गुप्तकाल से आज तक पूर्णतः ईटों से निर्मित यह सबसे प्राचीन बौद्ध मंदिरों में से एक है और शताब्दियों से ईंट वास्तुकला के विकास में इसका महत्वपूर्ण योगदान है।

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल

साल 2002 में यूनेस्को ने महाबोधि मंदिर को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया। इससे इसकी अंतरराष्ट्रीय मान्यता और प्रतिष्ठा और बढ़ गई। यह निर्णय इस मंदिर के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को प्रमाणित करता है। विभिन्न बौद्ध देश जैसे श्रीलंका, जापान, म्यांमार, वियतनाम आदि ने मंदिर के संरक्षण, जीर्णोद्धार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में योगदान दिया है। यहाँ उनके अपने विहार और पूजा स्थल भी बने हुए हैं।

महाबोधि मंदिर का स्थापत्य

- महाबोधि मंदिर भारतीय वास्तुकला की उत्कृष्ट कृति है। इसका मूल ढांचा ईंटों से बना है और यह भारत के सबसे पुराने ईंट-निर्मित संरचनाओं में से एक है।
- मुख्य मंदिर की ऊँचाई लगभग 55 मीटर है।
- मंदिर का शिखर पिरामिडनुमा है, जो धीरे-धीरे पतला होता जाता है और शीर्ष पर एक चैत्य है।
- मंदिर के चारों कोनों पर छोटे-छोटे स्तूप हैं।
- पूरे परिसर में भगवान बुद्ध की मूर्तियाँ और पवित्र चिह्न स्थापित हैं।
- बोधिवृक्ष मंदिर के पास ही वह पवित्र बोधिवृक्ष स्थित है, जिसकी छाया में बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था।
- बोधिवृक्ष के नीचे स्थित वज्रासन को भगवान बुद्ध के ध्यान और ज्ञान का केंद्र माना जाता है। इसे सम्राट अशोक ने बनवाया था।

धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व

बौद्ध धर्म का केंद्र

महाबोधि मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि बौद्ध धर्म का आधार है। यह वह स्थल है जहाँ से बुद्ध की शिक्षाओं की शुरुआत हुई। यहां बुद्ध ने चार आर्य सत्य और अष्टांगिक मार्ग की अनुभूति की।

तीर्थ यात्रियों का आगमन

भारत, श्रीलंका, थाईलैंड, म्यांमार, जापान, चीन, तिब्बत और अन्य देशों से लाखों बौद्ध श्रद्धालु यहां प्रतिवर्ष दर्शन करने आते हैं। वे यहां ध्यान लगाते हैं, पूजा करते हैं और मंदिर परिसर में भ्रमण करते हैं।

पूजा-अर्चना और ध्यान

मंदिर परिसर में श्रद्धालु न केवल पूजा करते हैं, बल्कि बौद्ध भिक्षु और साधक यहां ध्यान-साधना करते हैं। विशेष पर्वों जैसे बुद्ध पूर्णिमा, धम्म चक्र प्रवर्तन दिवस आदि पर यहाँ विशेष आयोजन होते हैं।

प्रशासन और संरक्षण कौन करता है ?

मंदिर का प्रशासन महाबोधि मंदिर प्रबंधन समिति के अंतर्गत आता है, जिसमें हिन्दू और बौद्ध दोनों समुदायों का प्रतिनिधित्व होता है। समिति मंदिर के संचालन, सुरक्षा, रख-रखाव, तीर्थयात्रियों की सुविधा और धार्मिक आयोजनों का प्रबंधन करती है। 2013 में मंदिर परिसर में हुए विस्फोट के बाद से सुरक्षा को और भी मजबूत किया गया है। अब मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे, मेटल डिटेक्टर, और सुरक्षा कर्मी तैनात हैं।

महाबोधि मंदिर और पर्यटन

सुवर्णगिरी गुफा ■ बुद्ध स्मृति पार्क ■ थाई मठ ■ तिब्बती मठ ■ जापानी मंदिर ■ महंत मंदिर

पर्यटकों के लिए सुविधाएं

बोधगया में होटल, धर्मशाला, रेस्टोरेंट्स, पर्यटन कार्यालय, और ट्रांसपोर्ट की अच्छी व्यवस्था है। विशेषतः बौद्ध देशों से आने वाले पर्यटकों के लिए उनके देशीय भाषा में सहायता उपलब्ध कराई जाती है।



महाबोधि मंदिर का सांस्कृतिक प्रभाव

बुद्ध और बोधगया की कथाएँ अनेक ग्रंथों, पुस्तकों, चित्रकला और मूर्तिकला का प्रेरणा स्रोत बनी हैं। अजंता-एलोरा की गुफाएँ, साँची के स्तूप आदि इसी सांस्कृतिक प्रभाव का प्रमाण हैं। महाबोधि मंदिर एक ऐसा स्थल है जहाँ हिंदू और बौद्ध दोनों परंपराओं का अद्भुत समागम देखने को मिलता है। यहाँ दोनों समुदायों के लोग समान श्रद्धा से आते हैं।

वर्तमान में महाबोधि मंदिर

मंदिर प्रशासन ने मंदिर दर्शन को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की दिशा में कई कदम उठाए हैं। अब वेबसाइट और ऐप्स के माध्यम से लाइव दर्शन, जानकारी, और ऑनलाइन दान की सुविधा उपलब्ध है। बोधगया में वृक्षारोपण, प्लास्टिक निषेध, सौर ऊर्जा का प्रयोग आदि उपाय किए जा रहे हैं जिससे यह धार्मिक स्थल पर्यावरणीय संतुलन का उदाहरण बन सके। महाबोधि मंदिर केवल एक वास्तुशिल्पिक चमत्कार या तीर्थ स्थल नहीं है, बल्कि यह मानव आत्मा की मुक्ति की खोज का प्रतीक है। यह वह स्थान है जहाँ एक साधारण मानव ने आत्मज्ञान प्राप्त कर बुद्धत्व को प्राप्त किया और एक ऐसे धर्म की नींव रखी जो अहिंसा, करुणा और ध्यान पर आधारित है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673



बीएसएफ महिला जवानों से मिलीं हुमा

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी हाल ही में जम्मू-कश्मीर पहुंची, जहां वो बीएसएफ जवानों के बीच नजर आ रही है। भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने जम्मू कश्मीर का दौरा किया। इसकी तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर साझा कीं हैं, जिसमें वो बीएसएफ जवानों के साथ खूबसूरत पलों को साझा कर रही हैं और सेना की शौर्यता के बारे में कुछ प्रतिक्रिया भी दे रही हैं। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा कीं हैं। इन तस्वीरों में वो जम्मू की आबो-हवा को महसूस करती दिख रही हैं। साथ ही कैप्शन में लिखती हैं, 'जम्मू से पोस्टकार्ड', जिसमें आसमान में उमड़ते-घुमड़ते प्यारे बादलों को देखा जा सकता है।

एक्ट्रेस ने जम्मू में तैनात बीएसएफ जवानों से मुलाकात की, जिसकी तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा की है। इन तस्वीरों में अभिनेत्री महिला जवानों के बीच दिख रही हैं, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के समय शानदार जज्बा दिखाया था। इसके अलावा एक और तस्वीर में अभिनेत्री बीएसएफ जवानों से बात करती दिख रही हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बातचीत में हुमा कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर में उनकी भूमिका और देश की सीमाओं की रक्षा के लिए सेना की प्रशंसा की है। साझा की गई तस्वीरों में अभिनेत्री पहलगाम में हुए आतंकी हमले से प्रभावित लोगों से मिलती हुई दिख रही हैं। साथ ही उन्हें संवेदनाएं भी दे रही हैं, जिसमें महिलाओं-पुरुषों को वो ढाढ़स दिलाने का काम कर रही हैं।

कभी कॉलेज नहीं गईं सोनम कपूर

सोनम को **इस बात का पछतावा है कि वह कभी कॉलेज नहीं गईं। इसीलिए वह अपने बच्चे के लिए एक बड़ा काम कर रही हैं।**

सोनम कपूर दो साल के बच्चे वायु कपूर आहूजा की मां हैं। सोनम कपूर कभी कॉलेज नहीं गईं। इसका उन्हें पछतावा है। हाल ही में उन्होंने बताया है कि वह अपने बच्चे के लिए बड़ा काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके पति आनंद आहूजा ने हाल ही में उन्हें पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के एक स्कूल का दौरा कराया। इससे उन्हें ईर्ष्या हुई।

बेटे को पाठक बनाना चाहती हैं सोनम

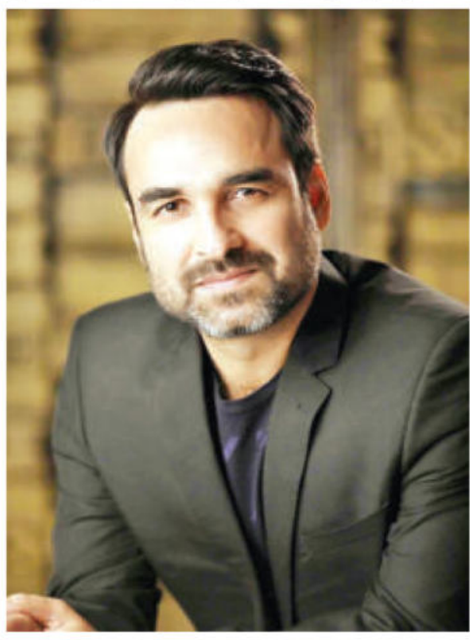
वोग इंडिया से बातचीत में सोनम कपूर ने बताया 'मेरे पति पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय में व्हार्टन गए थे। जब उन्होंने हाल ही में मुझे परिसर घुमाया, तो पहली बार मुझे ईर्ष्या महसूस हुई। इसलिए मैं वायु की शिक्षा के लिए पैसे बचा रही हूं। मैं चाहती हूं कि वह एक पाठक बने।' सोनम कपूर नहीं चाहती हैं कि उनका बच्चा भी उनकी तरह पढ़ाई न करे। इसलिए वह अभी से उसके लिए पैसे बचा कर रख रही हैं ताकि वह अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा दिला सकें। साल 2015 में एक इंटरव्यू में सोनम कपूर ने बताया था कि उनको अपनी जिंदगी में सबसे बड़ा पछतावा इस बात का है कि उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी नहीं की। सोनम ने 12वीं तक की पढ़ाई की। इसके बाद वह अभिनेत्री बन गईं। उनके मुताबिक उन्हें चार सालों तक रुकना चाहिए था। सोनम कपूर ने साल 2005 में संजय लीला भंसाली की फिल्म 'ब्लैक' में सहायक निर्देशक का काम किया है। इसके बाद उन्होंने संजय लीला भंसाली की फिल्म 'सांवरिया' 2007 में अभिनय किया।



'ओवर कॉन्फिडेंस दलदल की तरह'

पंकज त्रिपाठी ने एक्टर्स के लिए एक खास सलाह दी है। उनका कहना है कि एक्टर्स को ओवर कॉन्फिडेंस से बचना चाहिए।

फेमस एक्टर पंकज त्रिपाठी अपनी सीरीज 'क्रिमिनल जस्टिस' के चौथे सीजन की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इस बीच उन्होंने एक्टर्स को ओवर कॉन्फिडेंस से बचने की सलाह दी। उनका कहना है कि जब कलाकार सोचने लगे कि अब वह बहुत बड़ा हो गया है और उसे कुछ नया सीखने या सुधारने की जरूरत नहीं, तो यह एक खतरनाक स्थिति है। ऐसा आत्मविश्वास एक दलदल की तरह है, जिससे एक्टर्स को दूर रहना चाहिए। पंकज त्रिपाठी ने कहा कि एक आर्टिस्ट को अपनी एक्टिंग को सरल और आकर्षक बनाने की कोशिश करनी चाहिए। एक्टिंग में ऐसा तरीका अपनाना चाहिए, जो स्क्रीन पर न तो ज्यादा दिखावा लगे, न ही बोरिंग हो। एक्टिंग में सहजता और मेहनत का सही संतुलन होना जरूरी है।



आसान दिखने के लिए **करनी पड़ती है मेहनत**

उन्होंने आगे कहा, 'आराम की भावना खतरनाक नहीं है, लेकिन अगर यह आराम ज्यादा आत्मविश्वास की वजह से हो तो, यह खतरनाक हो सकता है। स्क्रीन पर आसान दिखाने के लिए बहुत मेहनत करनी पड़ती है। इसके लिए लगातार सीखते रहने की जरूरत होती है। जब एक्टर सोचने लगे कि अब कुछ नया सीखने की जरूरत नहीं, तो यह खतरनाक स्थिति है। पंकज त्रिपाठी ने कहा, 'एक्टिंग के बेजान और सहज होने में बहुत बारीक फर्क होता है। अगर एक्टिंग में जान नहीं होगी तो वह फीकी और सुस्त लगेगी। वहीं, अगर एक्टिंग जानदार होगी, तो उसका खास असर और भाव जरूर दिखाई देगा.'

कातिलाना अदाओं वाली सनी लियोनी आजकल फिल्मों से दूर हैं

सनी लियोनी ने बॉलीवुड की कई फिल्मों और आइटम सॉन्ग में काम करके अपनी एक अलग पहचान बनायी है। उनके करियर का शुरुआती दौर भले ही काफी कठिनाइयों भरा रहा हो, लेकिन अपनी मेहनत के दमपर उन्होंने खूब नाम कमाया। आज के समय में भारत की टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में उनका नाम शामिल है।

कुछ समय पहले उन्होंने ग्रेटर नोएडा में एक कैफे भी खोला था। वो कभी मुंबई में रहती हैं तो कभी लॉस एंजिल्स में, बावजूद इसके वो सोशल मीडिया के जरिए हमेशा अपने फैंस से जुड़ी रहती हैं। उनकी हर तस्वीर एक अलग कहानी बयां करती है। उनके लुक्स युवा लड़कियों के लिए परफेक्ट माने जाते हैं। तो आइए आपको भी सनी लियोनी के कुछ परफेक्ट लुक्स दिखाते हैं। अपने ग्लैमरस अंदाज की वजह से पहचानी जाने वाली सनी लियोनी इस मैरून रंग के बॉडीकॉन गाउन में कमाल की लग रही हैं। इस खूबसूरत से गाउन में उनका लुक बेहद ही कमाल का लग रहा है। अपने इस लुक को कंप्लीट करने के लिए उन्होंने बालों को भी अलग तरह से स्टाइल किया है। उन्हें अक्सर इसी तरह के ग्लैमरस और बोल्ड आउटफिट में देखा जाता है। ऐसे हाई स्लिट गाउन में वो लगती भी बेहद कमाल की हैं। कोर्सेट स्टाइल के इस गाउन के साथ उन्होंने अपने बालों को कर्ल करके खुला छोड़ा है, जिस वजह से उनका लुक बेहद खूबसूरत लग रहा है। इस इवेंट में सनी ने ये फ्लोर लेंथ गाउन पहना था, और उनके इस लुक को लोग देखते रह गए थे। ऐसा गाउन किसी इवेंट के लिए परफेक्ट होता है। इसके साथ उन्होंने अपने बालों में जो एक्सेसरीज लगाई थी, उसने लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा।



राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA
RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

ब्रीफ न्यूज़

मण्डलेश्वर में श्रुत पंचमी पर्व धूमधाम से मनाया गया



मण्डलेश्वरः शनिवार को जेष्ठ शुक्ल पंचमी के पावन अवसर पर नगर के जैन धर्मावलंबियों ने श्रुत पंचमी का पर्व बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया। यह दिन जैन धर्म के महत्वपूर्ण शास्त्रों की रचना के स्मरण में मनाया जाता है, जिनकी रचना आचार्य पुष्पदंतजी और भूतबलीजी ने की थी। इस अवसर पर नगर के दोनों पार्श्वनाथ मंदिरों में विशेष आयोजन किए गए। प्रातःकाल जिनवाणी के प्रति अपना सम्मान व्यक्त करने के लिए, दोनों मंदिरों के शास्त्रों को पालकी में रखकर भव्य जुलूस निकाला गया। इस शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जो भक्तिमय गीतों और नारों के साथ चल रहे थे। मंदिरों में पहुँचने के पश्चात सामूहिक पूजन का आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से आराधना की। संध्या आरती के बाद ज्ञानवर्धक प्रश्न मंच का आयोजन किया गया। जिसमें धर्म और शास्त्रों से जुड़े प्रश्न पूछे गए और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। श्रुत पंचमी का यह पर्व ज्ञान और श्रद्धा के संगम का प्रतीक बना, जिसमें सभी ने मिलकर धर्म के महत्व को समझा और मनाया।

माता अहिल्या देश और प्रजा के प्रति कर्तव्यों का पाठ पढ़ती हैः नपा प्रतिनिधि गजराज यादव



महेश्वर। मां अहिल्या की 300 वी जयंती के पावन अवसर पर नगर परिषद द्वारा आयोजित तीन दिवसीय नगर गौरव दिवस नारी शक्ति प्रतिभा सम्मान , भूत पूर्व सैनिक तथा कवियों की विभिन्न कविताओं के साथ संपन्न हुआ। नगर गौरव दिवस नर्मदा घाट तट के अहिल्या घाट पर आयोजित किया गया था जिसमें देर रात तक कवियों द्वारा हसाया वीर रस की कविताएं प्रस्तुत की गई कार्यक्रम के प्रारंभ में महेश्वर विधायक राजकुमार मेव, नगर परिषद अध्यक्ष अलका यादव, अध्यक्ष प्रतिनिधि गजराज यादव, नप उपाध्यक्ष सचिन शर्मा सीएमओ प्रियंक पंड्या के साथ उपस्थित अन्य पार्षदों ने दीप प्रज्ज्वलित करते हुए मा अहिल्या के चित्र पर माल्या अर्पण की इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि गजराज यादव ने कहा की माता अहिल्या ने अपने शासनकाल में जनहित और धर्मरक्षा के एतिहासिक कार्य किए जो आज भी जनप्रतिनिधियो को प्रेरणा देने का कार्य कर रहे हैं माता अहिल्या ने अपनी प्रजा को ही अपना परिवार मान लिया था। उन्होंने भारत भर में मंदिर निर्माण करने के साथ कई मंदिरों का जीर्णोद्धार भी करवाया था उनके देश और प्रजा के प्रति कर्तव्य निभाने की परंपरा आज भी जनसेवकों को प्रेरणा देती है नारी शक्ति , भूतपूर्व सैनिक तथा विजतो प्रतिभागियों का हुआ सम्मान।तीन दिवसीय नगर गौरव दिवस कार्यक्रम के प्रथम चरण में दंगल,मेंहदी, रंगोली मैराथन दौड़ नगर की गोरवंकित महिलाए 50 - 100 विजेता खिलाड़ियों को पुरस्करित किया कार्यक्रम का संचालन मनोज पाटीदार ने किया उक्त कार्यक्रम में महेश्वर विधायक राजकुमार मेव, अध्यक्ष प्रतिनिधि गजराज यादव, उपाध्यक्ष सचिन शर्मा, समस्त पाषर्दगण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रियंक पंड्या,कार्यक्रम नोडल अधिकारी हरिनारायण पाटीदार, स्वच्छता प्रभारी महेश गहलोत सहित अन्य अधिकारी गण कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

'मां जिनवाणी की आराधना कर श्रुत पंचमी पर्व मनाया

बैडिया। श्रुत पंचमी जिसे ज्ञान की आराधना का पर्व भी कहा जाता है। समाज के सहसचिव तरंग जटाले एवं जितेंद्र घाटे ने बताया कि श्रुत पंचमी एक दिगंबर जैन पर्व है ।जो ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष के पंचमी को मनाया जाता है ।आगम अनुसार कहा जाता है कि आचार्य भूत बली एवं आचार्य पुष्पदंत द्वारा मां जिनवाणी को आज के दिन से ही लिपिबद्ध कर षटखंडागम शास्त्र की रचना की गयी थी। प्रातः काल की बेला में समाज जनों ने अपने सिर पर मां जिनवाणी विराजमान कर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली। जो की मंदिर जी से प्रारंभ होकर मुख्य मार्ग,बस स्टेंड होते हुए पुनः जैन मंदिर की पहुंची ।समाज की वरिष्ठ महिला श्रीमती अंजना धनोते एवं श्रीमती कंचन जैन ने बताया कि हम सभी का परम कर्तव्य हैं कि भगवान महावीर की वाणी का इस ग्रंथ के माध्यम से चिंतन मनन कर अपने आप को जाने। साथ ही इन शास्त्रों को रखने का उचित प्रबंध होना चाहिए क्योंकि शास्त्र हमारे आचार्य की अमूल धरोहर है इनको सहझना, संभालना परम कर्तव्य हैं। तभी हमारा श्रुत पंचमी पर्व मनाना सार्थक होगा।

जीवन के दुखों का समाधान शांति-आनंद और मुक्ति की खोज में: संत प्रभावती

सिटी रिपोर्टर



देवास। संत-महापुरुषों की वाणी में संसार की हर समस्या का निदान छिपा होता है। सकल पदारथ है जग माही, करम हीन नर पावत नाहीं समस्या है तो उसका हल भी निकल सकता है। रोगों का भी उपचार सुलभ है, पर कर्महीन होकर बैठने से कुछ नहीं होता। लुंबिनी के राजमहल में जन्मे सिद्धार्थ यदि शांति की खोज में त्याग,तप और कठोर साधना न करते तो आज धरती पर बौद्ध धर्म नहीं होता। व्यक्ति बीमार हो जाता है एक दिन बूढ़ा और असमर्थ हो जाता है, फिर मृत्यु का ग्रास बनाकर समाप्त हो जाता है। क्या यही जीवन है ? जो दुरूख, कष्ट, रोग, मृत्यु से भरपूर है, ऐसे दृश्य देखकर राजकुमार सिद्धार्थ का मन दहल गया और उन्हें प्रबल वैराग्य हो गया। जीवन के दुरूखों का समाधान शांति,आनंद, मुक्ति की खोज में वे चुपचाप निकल पड़े। प्राचीन भारत के समृद्ध एवं महान गणराज्य मगध स्थित बोधगया में एक वट वृक्ष के नीचे बैठकर सुजाता की प्रेरणा से ध्यान अवस्था में उन्हें बोधि-सत्व की प्राप्ति हुई और वे बुद्ध कहलाए। यह आध्यात्मिक संदेश बालाजी नगर स्थित मानव उत्थान सेवा समिति आश्रम में आयोजित साप्ताहिक सत्संग में सतपाल महाराज की शिष्या प्रभावती जी ने दिया। उन्होंने कहा भौतिकवादी आंधी में आज हर परिवार तरह-तरह के रोगों से,मानसिक अशांति और हिंसात्मक संघर्ष से दुरूखी है। वृद्ध,रोगी और मृतकों की संख्या दुनिया में बढ़ रही है। मनुष्य का मन सबसे अधिक अशांति,तनाव और अवसाद में है। उसकी विचार शक्ति खोलने का एकमात्र साधन अध्यात्म का मूल तत्वज्ञान है जो मानव उत्थान समिति द्वारा आयोजित हर प्रदेश के जिलों में नित्य आयोजित हो रहे सत्संग कार्यक्रम में सुलभ हो सकता है। जहां समय के वर्तमान तत्वदर्शियों द्वारा बुद्ध के महान संदेशों को सुनाया जाता है,ताकि क्षणिक नाशवान दुरूख-सुख से ऊपर परम आनंद का हृदय स्थित तत्वज्ञान जिज्ञासुओं को सुलभ कराया जा सके। हर स्थिति में दुरूख-सुख से परे शाश्वत आनंद के अनुभव द्वारा ही मानव अपने सुख-शांति व प्रसन्नता को सुनिश्चित कर एक समृद्ध समाज का निर्माण कर सकता है। वह आनंद तो मनुष्य के अंदर ही स्थित है। अज्ञान अंधकार में भटक रहा मानव उसके बिना भयंकर कष्ट पा रहा है। ष्आनंद सिंधु मध्य तव बासा, बिन जाने मरत पियासा। आनंद हर कोई चाहता है अतः बुद्ध का संदेश अनेक देशों में फैला और लोगों ने दिल से कहा कि मैं बुद्ध की शरण में जाकर उपदेश लूंगा। इस मौके पर समिति के अंगूर सिंह चौहान, गोपाल कढ़वाल, रामेश्वर कुमावत, बाबूलाल अहिरवार, सुरेश चावंड, जगदीश माली, बंडूराव,अशोक शर्मा,रामपाल परमार आदि उपस्थित थे।

सरकार की नई व्यवस्था

आधार लिंकिंग नहीं कराने पर रुकेगा वेतन
18 हजार कर्मचारियों ने करवाया डेटा सही

सिटी रिपोर्टर



धार। जिले के शासकीय कर्मचारियों की प्रोफाइल को इंटीग्रेटेड फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल पर समग्र आईडी और आधार से लिंक कराने के निदेर्शों का पालन नहीं करने वाले आहरण एवं संवितरण अधिकारियों (डीडीओ) पर अब वित्त विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। वित्त विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन डीडीओ ने अपने अधिकार क्षेत्र के कर्मचारियों की पूरी प्रोफाइल लिंक नहीं कराई है, उनका जून माह का वेतन रोका जाएगा। भुगतान केवल तभी किया जाएगा जब वे संबंधित प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे कि सभी कर्मचारियों की समग्र आईडी और आधार लिंकिंग पूरी हो चुकी है। वहीं जिले के 20 हजार नियमित कर्मचारियों को वित्त विभाग द्वारा आइएफएमआइएस सिस्टम से बेतन का भुगतान किया जा रहा है। कर्मचारियों के लिए अपनी समग्र आइडी को आधार से लिंक करना जरुरी हो गया है।यह प्रक्रिया पिछले करीब तीन महीने से चल रही है। लेकिन अभी तक 18 हजार से अधिक कर्मचारियों का डेटा ही आधार से लिंक हो पाया है। जो 90 प्रतिशत काम जिले में ह्यो गया है। कई कर्मचारियों की प्रोफाइल आइडी में नाम, जन्म तिथि सहित अन्य करेक्शन होने पर सुधार के लिए खासी माथापच्ची करना पड़ रही है। यह समस्या उन कर्मचारियों के सामने आ रही है, अभी जो कर्मचारी बचे उनकी परेशानी नियुक्ति दिनांक के साथ जन्मतारीख मैच नही हो रही है तो कुछ आधार में जन्मदिनाक करेक्शन नही हो पा रहे कुछ सभी दस्तावेज ही गलत बने हुए तो सही करने में समयलग रहा है। वित्त विभाग की ओर जारी किए गए निर्देश में कहा है कि कर्मचारियों की सैलरी को बैंक अकाउंट के साथ जोड़ा जाएगा। जिसके आधार पर ही आगमी समय में वेतन का भुगतान किया जाएगा।

जून तक सुधार करना जरुरी

शासकीय कर्मचारियों का दायित्व होगा कि वह आइएफएमआइएस के अंतर्गत एम्पलाई सेल्फ सर्विस प्रोफाइल के माध्यम से अपनी समग्र आईडी की प्रविष्टी कर जानकारी सत्यापित करें। आइएफएमआइएस में समग्र आईडी की प्रविष्टी एवं सत्यापन से पूर्व समस्त शासकीय सेवकों द्वारा उनकी समग्र आईडी का पंजीयन अघतन एवं आधार से लिंक समग्र पोर्टल के माध्यम से कराया जाना आवश्यक है। जिस बैंक खातें में वेतन प्राप्त हो रहा है। उस बैंक खाते को आधार से भी लिंक कराया जाए। यह कार्य जून तक अनिवार्य रूप से करना होगा। नही हुआ तो पगार नही मिलेगी।

इन विभागों की हालत सबसे खराब

सबसे बड़ी विडंबना यह है। अधिकारियों के साथ निचली कर्मचारी द्वारा कार्य मे लचीलापन अपनाया जाता है। वही सबसे पहले एसपी आफिस, व बीईओ कार्यालय, जिले के तहसील के दफ्तर, जल संसाधन , वन विभाग, पीएचई, एडीवीके, शासकीय कॉलेज, प्रोग्राम कार्यालय, टेक्स कार्यलय अन्य दफ्तर की स्थिति खराब है। इसके अलावा जनजातीय कार्य, चिकित्सा शिक्षा, परिवहन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामान्य प्रशासन, विधि एवं विधायी कार्य , कम प्रगति वाले विभागों में शामिल हैं।

धार की स्थिति अच्छी

वही मिली जानकारी नके अनुसार प्रदेश में धार जिले की स्थिति अच्छी है वही एक से दो सप्ताह में कार्य भी पूरा कर लिया जायेगा वही अभी 15 जिलों की परफॉर्मेंस सबसे कमजोर वित्त विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, 15 जिलों के कोषालयों का प्रदर्शन भी कमजोर पाया गया है। इनमें जबलपुर, ग्वालियर, भोपाल, रायसेन, भिंड, सिंगरौली, नरसिंहपुर, रीवा, हरदा, सीहोर, सीधी, कटनी, दतिया, राजगढ़ और भोपाल की विंध्याचल ट्रेजरी शामिल हैं। जिनका धीमीगति से चल रहा है।

हर महीने सवा सौ करोड़ का भुगतान

कोषालय ट्रेजरी विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिले में लगभग 20 हजार नियमित अधिकारी-कर्मचारी है। इसमें सर्वाधिक 12 हजार से अधिक शिक्षक और 8 हजार शासकीय सेवक अन्य विभागों से आते हैं। जिन्हें हर महीने सवा सौ करोड़ रुपए का वेतन का भुगतान सीधे बैंक अकाउंट में होता है। राज्य सरकार द्वारा समस्त शासकीय कर्मचारियों को वित्त विभाग द्वारा संधारित एकीकृत वित्तीय प्रबंधन सूचना प्रणाली (आइएफएमआइएस) के अंतर्गत उपलब्ध शासकीय कर्मचारियों की जानकारी समग्र आईडी तथा आधार से लिंक करना होगी। वेतन का भुगतान, आधार सक्षम भुगतान प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा। वही कही कर्मचारी तो अभी भी लापरवाही बने हुए है। जो विभागीय अधिकारियों के बोलने पर भी नहीं करवा और लापरवाही बने हुए है।

18 हजार से अधिक कर्मचारियों समग्र के कार्यपूर्ण':

जिला कोषाधिकारी मानसिंह डामर ने कहा है कि जिले के समस्त शासकीय सेवक अपने प्रोफाइल और बैंक अकाउंट आधार से लिंक है। वहीं सरकार के आदेशानुसार अब कर्मचारियों को समग्र आईडी के साथ आधार को भी लिंक करना अनिवार्य है। अभी तक 18 हजार कर्मचारियों ने कागजी प्रक्रिया को पूर्ण कर लिया है, जो कुल कर्मचारियों की संख्या के 90 प्रतिशत है। डामर ने बताया कि अभी केवल नियमित कर्मचारियों को ही समग्र से आधार लिंक करना है। दूसरे चरण में संविदा कर्मचारी और आंगनवाड़ी कार्यकताओं को भी इस प्रक्रिया को पूरा करना होगा। वहीं अभी प्रदेश स्तर में भी धार की स्थिति अच्छी है वहीं 20 हजार कर्मचारियों में से 18 हजार कर्मचारियों का डाटा सही कर दिया गया है।

18 हजार ने पूरी की प्रक्रिया

जिले में पदस्थ शासकीय सेवकों को अपने प्रोफाइल का समग्र आईडी को आधार से लिंक करना अनिवार्य है। ऐसे करीब 20 हजार कर्मचारी है। वही अभी प्रदेश में धार जिले की स्थिति अच्छी है वही 2 हजार के लगभग कर्मचारी और बचे है। वह भी एक से दो सप्ताह में कार्य पूर्ण कर दिया जाएगा।
मानसिंह डामर, जिला कोषाधिकारी धार

धर्मशाला संचालक के विरूद्ध थाना मांधाता पुलिस ने किया प्रकरण दर्ज



सिटी रिपोर्टर

ओंकारेश्वर। थाना मांधाता पुलिस को विश्वसनीय मुखबीर से सूचना मिली कि सोनी धर्मशाला ओंकारेश्वर में एक विदेशी नागरिक चार दिन से रूका हुआ है, मुखबीर की सूचना पर मांधाता पुलिस द्वारा सोनी धर्मशाला ओंकारेश्वर को चेक करते धर्मशाला के रजिस्टर मे दिनांक 29.05.2025 से एक रूसी नागरिक डिमत्री रेविनोदीच उम्र 35 साल निवासी पीटसर्ब रशिया का होना पाया गया जो सोनी धर्मशाला के मैनेजर शिवशंकर चौरे द्वारा उक्त विदेशी नागरिक के रूकने के संबंध मे आज दिनांक 01.06.2025 तक कोई लिखीत या मौखिक विधीक तौर पर देना नही पाया जाने से मैनेजर शिवशंकर चौरे द्वारा जिला दण्डाधिकारी महोदय खंडवा के आदेश कं/12/2025/न्याय. लि.5663/2025 दिनांक 03.04.2025 में वर्णित होटल लाज धर्मशाला मुसाफिर खाना मे बाहर से आने वाले व्यक्ति एवं बाहर से आने वाले व्यक्तियो के रूकने की जानकारी प्रबंधक एवं मालिक को संबंधित थाने पर देना अनिवार्य है उपरांत उसके सोनी धर्मशाला के मैनेजर शिवशंकर पिता बलीराम चौरे उम्र 65 साल निवासी बडवाह हाल सोनी धर्मशाला ओंकारेश्वर द्वारा सूचना नहीं देने एवं आरोपी का कृत्य भारतीय न्याय संहिता 223 के अंतर्गत दण्डनीय होने से आरोपी शिवशंकर चौरे के विरूद्ध थाना मांधाता पर अपराध कं 202/25 धारा 223 बीएनएस का पंजीबद्ध किया गया है। इसके पूर्व भी दिनांक 16.02.2025 को बालवाडी निवासी राजेश ठक्कर के विरूद्ध भी मांधाता पुलिस द्वारा फांसिस नागरिक को अपने गेस्ट हाउस में रूकवाने की पुलिस को सूचना नहीं देने पर मांधाता पुलिस द्वारा प्रकरण दर्ज किया जा चुका है। इस प्रकार की लापरवाही करने पर होटल लाज धर्मशाला मुसाफिर खाना संचालको के विरूद्ध भी इसी प्रकार कार्यवाही जारी रहेगी।

मलेरिया के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए ग्राम अरोदा में निकाली रैली

सिटी रिपोर्टर



बड़वाह । प्रमुख खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेंद्र मिमरोट जी के निर्देश पर मलेरिया से बचाव एवं मच्छरों के काटने से होने वाली बीमारियों की रोकथाम के उद्देश्य से बड़वाह ब्लॉक के ग्राम अरोदा में मलेरिया माह जून के तहत रैली निकाली गई, जिसमें ग्राम पंच राधेश्याम जी राठौड़ ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया, रैली में शामिल ग्रामीण जगन जी चौहान ,शेरू जी चौहान,सोहन जी राठौड़ , मुन्नालाल जी चौहान ,रामसिंह जी चौहान ,रेखा चौहान और माया राठौड़ ने मलेरिया से बचाव के स्लोगन और बैनर लेकर नारे लगाते हुए ग्राम का भ्रमण किया ,और अंत में ग्राम आरोग्य केंद्र पर रैली का समापन हुआ और उपस्थित ग्रामीणों को सेक्टर सुपरवाइजर खड़कसिह चौहान ने लार्वा नष्ट करने की शपथ भी दिलाई ,इस अवसर पर मलेरिया निरीक्षक उस्मान पठान भी उपस्थित थे।

देवी अहिल्या की 300 वीं जयंती पर क्रिश्चियन कम्युनिटी के बीच पहुंचा राजपरिवार

सिटी रिपोर्टर



मंडलेश्वरः देवी अहिल्या की 300 वीं जयंती पर होल्कर राजपरिवार महेश्वर द्वारा अन्नदान करने का पुण्य कार्य किया गया। मां अहिल्या के शुभ जन्म दिन पर नगर की क्रिश्चियन कम्युनिटी को राज परिवार की ओर से भोज दिया गया। यह आयोजन 31 मई को नगर के थेकरे मेमोरियल चर्च में सम्पन्न हुआ।राजपरिवार द्वारा रविवार को मंडलेश्वर क्रिश्चियन कम्युनिटी से चर्च में भेंट की गई। चर्च पहुंचने पर राज परिवार का स्वागत कम्युनिटी के सचिव सुशील बारलो द्वारा किया गया। पास्टर आकाश बारलो ने राज परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना की राजपरिवार के महाराजा शिवाजी राव होलकर द्वितीय, युवराज यशवंतराव होलकर तृतीय, महारानी नायरिका राजे होलकर, राजकुमारी चंद्रावती होलकर, राजकुमार मार्तण्ड राव होलकर ने चर्च की प्रार्थना के बाद एक बालिका स्वतंत्र दयाल की पोती और प्रसिद्ध मॉडल अनुष्का दयाल की भतीजी कियाना दयाल का बर्थ डे भी सेलिब्रेट किया। इस अवसर पर महाराजा शिवाजी राव होलकर ने सभी लोगों को मां अहिल्या की जयंती पर शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि देवी मां अहिल्या के राज में हर व्यक्ति खुशहाल था वे समाज के हर व्यक्ति का ध्यान रखती थी। धार्मिक कार्यों के अलावा उनके द्वारा समाज के गरीब वर्ग के लिए भी बहुत कार्य किए गए।इस अवसर पर नितिन जॉर्डन, स्वतंत्र दयाल, रितेश मसीह, विपिन जैन, जीतू मुरियाडन क्रिस्टीन सहित बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के लोग उपस्थित थे।

मंडलेश्वर के हेरिटेज को बचाने की पहल करेंगे युवराज

नगर में होलकर राजपरिवार के सदस्य युवराज यशवंत राव होलकर से जब इतिहासकार दुर्गेश राजदीप ने मंडलेश्वर स्थित रेजिडेंट हाउस के बारे में चर्चा की तो युवराज ने होलकर हेरिटेज मैनेजमेंट को इसकी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा। युवराज ने कहा कि जहां जहां भी होलकर परिवार से संबंधित धरोहर है उसका संरक्षण किया जाएगा। दुर्गेश राजदीप ने बताया कि मंडलेश्वर स्थित महात्मा गांधी शासकीय स्कूल पहले रेजिडेंट हाउस कहलाता था। जहां से अंग्रेजो ने पूरे निमाड़ पर शासन चलाया था। 1857 की क्रांति में यहां भीमा नायक की सेना ने अंग्रेजी सेना को परास्त किया था। उसके बाद नगर होलकर स्टेट के अधीन आ गया था महाराजा तुकोजीराव होलकर को इसी भवन में नजर बंद किया गया था। 1942 में इस भवन में होलकर स्टेट के डीआयजी का मुख्यालय और आवास था। अब इस भवन में शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल संचालित हो रहा है ।लेकिन इसकी हालत जर्जर हो रही हैं इसलिए इस भवन को पुरातत्व विभाग को सौंप कर इसका जीर्णोद्धार कराया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक पत्रिका
LOK PATRIKA

RNI NO. GUJGUJ/2022/83673

ब्रीफ न्यूज़

भाई की शादी से लौटकर युवक ने लगाई फांसी, खेत में पेड़ पर लटका मिला शव

भोपाल। भोपाल में भाई की शादी से लौटने के बाद युवक ने फांसी लगा ली। तीन महीने पहले उसने लव मैरिज की थी। उसकी पत्नी बीते एक महीने से मायके में रह रही है। हालांकि सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या के सही कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। मामले में सूखी सेवनिया पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बॉडी को सबसे पहले मृतक के पिता ने रविवार सुबह आठ बजे फंदे पर लटके हुए देखा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पीएम के बाद पुलिस ने शव को रविवार की दोपहर को परिजनों के हवाले कर दिया। अरुण लोधी (26) पुत्र जगदीश लोधी निवासी इमलिया गांव थाना सूखी सेवनिया क्षेत्र में रहता था। वह पिता के साथ खेती-किसानी करता था। शनिवार रात को गांव में रहने वाले उसके चचेरे भाई की शादी थी। उसके शादी समारोह में भी शामिल हुआ। मृतक के पिता जगदीश ने बताया कि वहां उसने मेरे साथ खाना खाया था। तब तक वह बेहद खुश नजर आ रहा था। किसी परेशानी का जिक्र भी उसने नहीं किया था। जगदीश के मुताबिक बेटे ने तीन महीने पहले लव मैरिज की थी। वह शराब पीने का आदि था। नशे में अपनी नव विवाहित पत्नी से विवाद और मारपीट करता था। इसी के चलते उसकी पत्नी एक महीने पहले मायके चली गई। इसके बाद वह लौटने के लिए राजी नहीं थी। हमने कई बार उसे मनाने का प्रयास किया। लेकिन उसने बेटे की बुरी आदतों के चलते लौटने से इनकार कर दिया। इसी कारण बेटा तनाव में रहता था।

पिता के सामने बरखेड़ी खुर्द नदी में डूबा जवान बेटा, गहरे पानी में जाने से हुई मौत

भोपाल। ईटखेड़ी इलाके की बरखेड़ी खुर्द नदी में डूबने से 20 साल के युवक की मौत हो गई। वह पिता और चाचा सहित दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया था। तब गहरे पानी में डूबने से उसकी जान चली गई। हादसा रविवार की सुबह का है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। टीआई आशीष सपरे ने बताया कि 20 वर्षीय दीपक सपेरा नजीराबाद का रहने वाला था। शनिवार को पिता-चाचा और दोस्तों के साथ ईटखेड़ी इलाके में रिश्तेदारी में आया था। रविवार को नहाने के लिए बरखेड़ी खुई नदी पर गया था। नहाते हुए गहरे पानी में जाने से डूब गया। पिता-चाचा ने उसे बचाने का प्रयास किया लेकिन पानी की गहराई में जाने से उसकी जान चली गई। गांव वालों की मदद से पुलिस ने शव को बरामद किया। रविवार की दोपहर को पीएम के बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी गई है।

फुटपाथ से सर्विस रोड तक निगम ने खुद बनाकर दीं शराब दुकानें, अब दिक्कत

भोपाल। भोपाल नगर निगम रोजाना शहर में फुटपाथ और सड़क पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करता है। कई ट्रक सामान हर रोज नगर निगम के गोदाम भेजे जाते हैं। छोटे कारोबार करने वालों पर जुमार्ना भी लगाया जाता है। लेकिन, प्रशासन ने खुद ही फुटपाथ से लेकर सर्विस रोड पर शराब दुकानें बनाकर दी हैं। नतीजा यह है कि आम लोगों के लिए चलने की जगह नहीं बची है। इनमें पहले नंबर पर सबसे वीवीआईपी इलाके पॉलीटेक्निक चौराहा की शराब दुकान है। यह मुख्य रोड से लगी सर्विस रोड पर है। इसी तरह मनीषा मार्केट में बस स्टॉप से लगाकर पैदल चलने वाली जमीन पर शराब दुकान बनी है। कोहेफिजा पुलिस थाने के पास ब्रिज के नीचे शराब दुकान बना दी गई है। शराब दुकान खुलने के पहले लोग यहां पर बैठते थे। इसी तरह नगर निगम और प्रशासन ने शहर में शराब कारोबारियों को 8 दुकानें बनाकर दी हैं। अब सवाल उठता है कि जब कोई आम आदमी फुटपाथ और सड़क पर दुकान नहीं खोल सकता है, तो प्रशासन कैसे शराब कारोबारियों को दुकान बनाकर दे सकता है। इसके कारण पैदल चलने वालों से लेकर आम लोगों को ट्रैफिक तक में परेशानी होती है। आबकारी नीति के अनुसार शराब कारोबारी को ही दुकान की व्यवस्था करनी होती है। जिन कारोबारियों को किराए या खुद की दुकान नहीं मिलती है, वे आबकारी विभाग को लिखित में दुकान की व्यवस्था नहीं होने की बात देते हैं। आबकारी इस आधार पर कलेक्टर को इसकी जानकारी देता है। उसके बाद नगर निगम और नजूल को दुकान की व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए जाते हैं। वे सरकारी जमीन पर अस्थायी दुकानें बनाकर किराए पर देते हैं। शहर में इस तरह की 8 दुकानें हैं।

उज्जैन एयरपोर्ट की भू अर्जन रिपोर्ट जल्द, अब शिवपुरी में एयरपोर्ट की तैयारी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मप्र में शनिवार को दतिया-सतना में हवाई अड्डों का वर्चुअल लोकार्पण करने के बाद अब विमानन विभाग की तैयारी शिवपुरी में हवाई अड्डा विकसित करने की है। इसके लिए शिवपुरी जिला प्रशासन को लगभग 46 एकड़ अतिरिक्त जमीन तलाशने के निर्देश दे दिए गए हैं। अभी शिवपुरी में प्रस्तावित हवाई अड्डे के लिए लगभग 60 एकड़ जमीन उपलब्ध है। इसके अलावा विमानन विभाग उज्जैन, खंडवा, शहडोल, छिंदवाड़ा, नीमच और मंडला में भी एयरपोर्ट बनाने के प्लान पर काम कर रहा है। साल 2024 में केंद्र ने रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के तहत इन 7 शहरों में रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम के तहत हवाई पत्तियों को हवाई अड्डों में अपग्रेड करके उड़ान सुविधा देने की सहमति दी थी। इसके बाद हवाई पट्टियों की सर्वे रिपोर्ट तैयार की गई थी। उज्जैन -शिवपुरी के लिए केंद्र से सहमति मिल चुकी है और इन जगहों पर भू अर्जन का काम भी शुरू हो चुका है। उज्जैन में वर्तमान में उपलब्ध 95 एकड़ जमीन के अलावा एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने 241 एकड़ और जमीन मांगी है। इसकी रिपोर्ट जिला प्रशासन विमानन विभाग को 15 दिन में दे देगा।वहीं, शहडोल के प्रस्ताव की तकनीकी रिपोर्ट भी केंद्र को भेजी जा चुकी है।

हमीदिया अस्पताल में अब एलोपैथी के साथ आयुर्वेद इलाज की होगी सुविधा

सिटी रिपोर्टर

भोपाल। कोरोना कल से आयुर्वेद को लगातार देश भर में बढ़ावा मिल रहा है। केन्द्र और राज्य सरकार आयुष अस्पतालों का उत्थान करने में जुटी हुई हैं। राजधानी भोपाल के एलोपैथी अस्पतालों में भी आयुर्वेदिक इलाज के लिए अलग से सेंटर बनाने की तैयारी की जा रही। इस कड़ी में राजधानी की सबसे बड़ी सरकारी अस्पताल हमीदिया में आयुष सेंटर बनाने की तैयारी की जा रही है। वहीं जिला अस्पताल में पहले से बने आयुष विंग का विस्तार किया जाएगा। इसके लिए विभाग से दोनों ही अस्पताल को 40-40 लाख का बजट मंजूर हो गया है। इन अस्पतालों में



पंचकर्म से लेकर सभी तरह की आयुर्वेद इलाज किए जाएंगे जानकारी के मुताबिक हमीदिया अस्पताल परिसर में पंचकर्म की सुविधा शुरू करने के लिए जगह मांगी गई है। अस्पताल में पहली बार आयुष विंग बनेगी तो वहीं जेपी अस्पताल में पहले से संचालित आयुष विंग का विस्तार किया जाएगा। आयुष विभाग की ओर से हमीदिया अस्पताल परिसर में 3000 वर्ग फीट जगह मांगी गई है। जेपी अस्पताल में वर्तमान में आयुष विंग के नाम पर सिर्फ होम्योपैथी की ओपीडी का संचालन किया जाता है। जहां गिने-चुने मरीज ही पहुंचते हैं। राजधानी के पंडित खुशीलाल आयुर्वेदिक अस्पताल में पंचकर्म की स्पेशल यूनिट शुरू की गई है। इस यूनिट में लगातार मरीजों की भीड़ देखी जा रही है। लोगों का रुझान देखकर पता चलता है कि कई रोगों से पीड़ित मरीजों को पंचकर्म से बहुत आराम मिल रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग सरकारी अस्पतालों में इस सुविधा के विस्तार की योजना बनाई गई है। ताकि, ज्यादा से ज्यादा मरीजों को कम से कम दूरी पर यह सुविधा मिल सके। अभी इन मरीजों को खुशीलाल आयुर्वेदिक अस्पताल जाना पड़ता है।

अभी पंचकर्म की यहां मिल रही सुविधा

जानकारी के लिए बता दे की राजधानी भोपाल स्थित एम्स में भी पंचकर्म यूनिट पिछले साल शुरू हो चुकी है। इसके अलावा छह नंबर बस स्टॉप स्थित जिला आयुष अस्पताल में भी यह सुविधा उपलब्ध है। खुशीलाल समेत वर्तमान में पंचकर्म के तीनों सरकारी सेंटर नए शहर में ही संचालित हो रहे हैं। ऐसे में पुराने शहर के लोगों को पंचकर्म के लिए कई किलोमीटर दूर नए शहर जाना पड़ता है। हमीदिया में यह सुविधा शुरू होती है तो इन लोगों को राहत मिलेगी।

नई कैथलैब मशीन का इंतजार

हमीदिया अस्पताल में हृदय रोगियों के इलाज के लिए 7 करोड़ 17 लाख रुपए की लागत की अत्याधुनिक कैथलैब मशीन आएगी। इसके बाद हमीदिया अस्पताल में दो कैथलैब हो जाएंगी। जिससे मरीजों को कम समय में बेहतर इलाज मिल सकेगा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि इस मशीन से हृदय रोगियों को उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी।

लीनियर एक्सीलरेटर मशीन आएगी

हमीदिया अस्पताल में 20 साल बाद अत्याधुनिक लीनियर एक्सीलरेटर मशीन लगने का रास्ता साफ हो गया है। करीब 30 करोड़ की लागत वाली यह मशीन कैंसर की जांच और रेडियोथैरेपी के लिए लीनियर एक्सीलरेटर मशीन उपयोग की जाएगी। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने मशीन आर्डर कर दिया है।

राहुल गांधी के भोपाल दौरे को लेकर हुई कांग्रेस की हाई लेवल मीटिंग

पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए 11 एआईसीसी पर्यवेक्षकों की नियुक्ति

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस संगठन को मजबूत करने में जुटी हुई है इसी कड़ी में लोकसभा नेता प्रतिपक्ष कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 3 जून को भोपाल आ रहे हैं। राहुल गांधी भोपाल में सृजन कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। इसे लेकर तैयारियां तेज हो गई रविवार को पीसीसी में कांग्रेस की हाई लेवल बैठक बुलाई गई जिसमें प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव समेत कई दिग्गज नेता मौजूद रहे। बैठक में सभी नेताओं को तैयारियों को लेकर जिम्मेदारी दी गई है। इधर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मध्यप्रदेश में पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए 11 एआईसीसी पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मध्य प्रदेश के लिए 11 अतिरिक्त एआईसीसी पर्यवेक्षकों की नियुक्ति मंजूर कर दी है। यह नियुक्तियां पार्टी के संगठन सृजन अभियान के तहत की गई हैं, जिनका उद्देश्य राज्य में पार्टी के संगठन और समन्वय को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाना है। इन पर्यवेक्षकों में धीरज गुर्जर, दानिश अबरार, दिव्या मदेरणा, इंदिरा मीना, मुकेश भाकर, मनीष यादव, डॉ. रागिनी नायक, अमीत सुभाषराव झनक, रवि बहादुर, राघवेंद्र कुमार सिंह और गुरुदयाल सिंह बंजारे को शामिल किया गया है। राहुल गांधी के इस दौरे को पार्टी ने संगठन सृजन अभियान का नाम दिया है। इस दौरे में राहुल गांधी कांग्रेस संगठन की सबसे अहम कड़ी जिलाध्यक्षों के साथ बैठक करेंगे।इसके अलावा पार्टी संगठन के अलग अलग विभागों की बैठके लेंगे। राहुल गांधी मध्य प्रदेश से जुड़े किसी भी कार्यकर्ता और नेता से वन टू वन भी कर सकते हैं।



ऐसा रहेगा राहुल गांधी का कार्यक्रम

- 3 जून को सुबह 11:00 से 12:00 बजे राहुल गांधी राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक।
- बैठक में प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं द्वारा राज्य की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा और आगामी रणनीतियों पर विचार-विमर्श।
- सांसदों और विधायकों से उनके क्षेत्रों की समस्याओं और जनता की अपेक्षाओं पर विचार-विमर्श।
- दोपहर 12:00 से 12:30 बजे सांसदों व विधायकों के साथ संवाद।
- दोपहर 12:30 से 01:30 बजे कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षकों व नव सृजित प्रदेश कांग्रेस द्वारा नियुक्त प्रभारियों की बैठक होगी।
- बैठक संगठन के पुनर्गठन और प्रभावी नेतृत्व नियुक्ति पर केंद्रित होगी।
- दोपहर 01:30 से 02:30 बजे विशेष परामर्श और अनौपचारिक चर्चा के लिए रखा।

देश में कांग्रेस संगठन मजबूत करने निकले हैं राहुल

जानकारी के लिए बतादें कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पूरे देश में कांग्रेस संगठन की मजबूती के लिए निकल रहे हैं, मध्य प्रदेश से पहले वे गुजरात के दौरे पर थे। यहां भी उन्होंने पार्टी संगठन की न्यूनतम इकाई मंडल स्तर तक संवाद किया था। मध्य प्रदेश में भी इसी तरह से संवाद कर सकते हैं।

इंदौर के बाद अब भोपाल मेट्रो का कमर्शियल रन अक्टूबर से

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में मेट्रो प्रोजेक्ट ने अहम मुकाम हासिल कर लिया है। मेट्रो का 6.22 किलोमीटर लंबा प्रायोरिटी कॉरिडोर, जो एम्स से सुभाषनगर तक है, अब टेस्टिंग के अंतिम चरण में पहुंच चुका है। सभी जरूरी दस्तावेज रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) को सौंपे जा चुके हैं। आरडीएसओ की जांच के बाद कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) की टीम मुआयना करेगी। यदि सब कुछ मानकों पर खरा उतरा तो भोपाल में अक्टूबर-नवंबर तक मेट्रो का कमर्शियल रन शुरू हो सकता है। 31 मई को इंदौर मेट्रो की शुरूआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअली की और अब उम्मीद जताई जा रही है कि भोपाल के यात्री भी जल्द ही मेट्रो का अनुभव ले सकेंगे। हालांकि, भोपाल में कुछ स्टेशन जैसे एम्स, डीआरएम तिराहा और अलकापुरी पर अभी काम बाकी है, जिसे आगामी महीनों में पूरा किया जाएगा। 3 अक्टूबर 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मेट्रो का पहला ट्रायल रन सुभाषनगर से रानी कमलापति स्टेशन तक किया था। तब से लेकर अब तक लगातार ट्रायल रन और तकनीकी टेस्टिंग जारी है। मेट्रो रेल की सुरक्षा के लिए दो चरणों में निरीक्षण होगा। आरडीएसओ के बाद सीएमआरएस की टीम ट्रैक, स्टेशन, ट्रेनिंग सिस्टम और सुरक्षा से जुड़े हर छोटे-बड़े पहलू की जांच करेगी। यदि सब कुछ संतोषजनक पाया गया तो फिर मेट्रो संचालन के लिए हरी झंडी मिल जाएगी। भोपाल मेट्रो के स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। यात्रियों को मेट्रो स्टेशन पर एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं मिलेंगी, जिनमें फूड प्लाजा, दुकानें और अन्य सेवाएं शामिल होंगी। इन योजनाओं को विशेषज्ञों की मदद से तैयार किया जा रहा है।

रीवा-सिकंदराबाद स्पेशल ट्रेन की पांच-पांच ट्रिप रहेंगी निरस्त

भोपाल। रेलवे प्रशासन ने रीवा से चेर्लापल्ली (सिकंदराबाद) और वापसी मार्ग पर चलने वाली स्पेशल ट्रेन की कुल दस ट्रिप (पांच अप और पांच डाउन) को निरस्त करने का निर्णय लिया है। यह फैसला दक्षिण मध्य रेलवे के सिकंदराबाद मंडल में अधोसंरचना विकास कार्यों के अंतर्गत लिया गया है। दरअसल, दक्षिण-मध्य रेलवे के बेल्लमपल्ली रेलवे स्टेशन पर यार्ड के विस्तारीकरण और थर्ड रेल लाइन कनेक्टिविटी के लिए प्री-एनआई और एनआई कमीशनिंग का कार्य किया जाएगा। इस तकनीकी और संरचनात्मक कार्य के चलते इस रूट पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होगी। परिणामस्वरूप, पश्चिम-मध्य रेलवे से संचालित होने वाली रीवा-चेर्लापल्ली (सिकंदराबाद) स्पेशल ट्रेन को पांच ट्रिप के लिए रद किया गया है। बता दें कि मध्य प्रदेश के अनेक स्टेशनों से इस ट्रेन में प्रति ट्रिप करीब 1000 से अधिक यात्री सफर करते हैं। गाड़ी संख्या 01704- यह ट्रेन रीवा से चेर्लापल्ली (सिकंदराबाद) के लिए सप्ताह में दो बार चलती है। रेलवे प्रशासन द्वारा जारी सूचना के अनुसार, यह ट्रेन 5 से 19 जून 2025 तक सभी ट्रिप्स में रीवा से प्रस्थान नहीं करेगी। यानी इस अवधि में इस गाड़ी की पांच ट्रिप रद रहेंगी। गाड़ी संख्या 01703- यह ट्रेन चेर्लापल्ली (सिकंदराबाद) से रीवा के लिए चलती है। यह भी सप्ताह में दो बार संचालित होती है। रेलवे द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक, यह ट्रेन 6 से 20 जून 2025 तक की सभी ट्रिप्स में चेर्लापल्ली से नहीं चलेगी। यानी इस अवधि में इसकी भी पांच ट्रिप रद रहेंगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से विशेष अनुरोध किया है कि वे अपनी यात्रा की योजना बनाने से पहले संबंधित ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें। इसके लिए यात्री एनटीईएस एप्लीकेशन, रेल मदद पोर्टल या रेलवे की 139 सेवा के माध्यम से अपडेटेड स्टेटस चेक कर सकते हैं। मंडल के अधिकारियों के अनुसार इन सभी यात्रियों को जिनका टिकट निरस्ती दिनांक का था, उनको रेलवे नियमानुसार रिफंड करेगा।

कारोबारी से सरेराह नोटों से भरा बैग लूटा, सिर पर किया हमला

भोपाल। भोपाल में सरेराह लूट की घटना सामने आई है। भोपाल गेट के पास करीब दो आरोपियों ने सिर पर चाकू मारकर मोबाइल कारोबारी का नोटों से भरा बैग झपट लिया। बैग में करीब 35 हजार रुपए कैश रखे थे। वारदात को शनिवार-रविवार की दरमियानी रात 1:30 बजे अंजाम दिया है। कारोबारी दुकान को बंद कर घर लौट रहे थे। पुलिस को रेकी के बाद लूट की आशंका है। फरियादी के करीबी और कर्मचारियों से भी पुलिस पूछताछ करेगी। शाहजहांनाबाद पुलिस ने बताया कि राजेश अठवानी (40) पुत्र आनंदराम अठवानी प्रभुनगर ईदगाह हिल्स में रहते हैं। वह घोड़ानक्कास इलाके में मोबाइल



की शॉप का संचालन करते हैं। देर रात दुकान बंद कर घर के लिए लौट रहे थे। भोपाल गेट के करीब कैंब्रिज स्कूल के पास में उन्हें बाइक सवार दो लड़कों ने हाथ देकर रोक लिया। बदमाशों ने सिर में किसी धारदार चीज से हमला किया और राजेश के बैग को छीन लिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

फरियादी ने वारदात के बाद तत्काल परिजनों और परिचितों को कॉल किया। लहूलुहान हालत में उनके साथ अस्पताल पहुंचे और प्रारंभिक उपचार कराया। इसके बाद थाने पहुंचे और एफआईआर दर्ज कराई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने स्पॉट का निरीक्षण किया और तड़के सुबह करीब तीन बजे एफआईआर दर्ज की है।

एसीपी अनिल बाजपेयी ने बताया कि आरोपियों की पहचान के लिए घटना स्थल के पास पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। एक टीम फुटेज खंगालने का काम कर रही है। वहीं, एक अन्य टीम फरियादी के पूर्व और वर्तमान कर्मचारियों से पूछताछ करेगी। जल्द आरोपियों का सुराग जुटाकर पूरे मामले का खुलासा करेंगे।

नरवाई जलाई, अब मप्र के 7000 किसानों की किसान सम्मान निधि पर लगेगी रोक

सिटी रिपोर्टर

भोपाल। किसान सम्मान निधि पाने वाले किसानों की मुश्किलें बढ़ने वाली है। सरकार ने करीब 7000 किसानों को सम्मान निधि की राशि नहीं देने का फैसला किया है। ये वे किसान हैं, जिन्होंने मनाही के बावजूद नरवाई जलाई है। किसान प्रदेश के अलग-अलग जिलों से हैं। सरकार ने पहले ही कहा था कि नरवाई जलाने वाले किसानों को सम्मान निधि और फसल पर मिलने वाला समर्थन मूल्य नहीं मिलेगा। नरवाई जलाने वाले करीब 604 किसानों पर एफआईआर दर्ज हो चुकी है। साथ ही अलग-अलग जगहों पर लाखों रुपए किसानों से



जुमार्ना भी वसूले गए हैं। रायसेन में सबसे अधिक किसानों से जुमार्ना वसूला गया है। दरअसल, सरकार ने नरवाई जलाने पर प्रतिबंध को लेकर पहले ही अधिसूचित कर दिया था। इसके बावजूद किसान नहीं माने हैं। नर्मदापुरम जिले में नरवाई जलाने के 5774 मामले सामने आए हैं। मगर सिर्फ आठ किसानों पर एफआईआर दर्ज हुई है।

वहीं, विदिशा में 1040, इंदौर में 837, गुना में 725, रायसेन में 620, सिवनी में 395, खंडवा में 281, उज्जैन में 211, छिंदवाड़ा में 210 और सतना में 208 किसान सूचीबद्ध हैं। कुल 52 जिलों की सूची में 23 जिलों के कोई किसान शामिल नहीं हैं।

2.28 करोड़ रुपए की वसूली

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक राजस्व विभाग ने प्रदेश भर में 7000 किसानों पर 2.28 करोड़ रुपए वसूले है। ऐसे किसानों की पूरी सूची बन गई है। सरकार किसानों को नरवाई नष्ट करने की मशीन खरीदने के लिए सब्सिडी भी देती है। इसके बावजूद किसानों ने नरवाई जलाई है।

केंद्र से लेनी होगी सहमति

मप्र के किसानों को सम्मान निधि के तहत 12000 रुपए की राशि दी जाती है। केंद्र की तरफ से छह हजार की राशि मिलती है। साथ ही राज्य सरकार अपनी तरफ से 6000 रुपए देती है। 7000 किसानों की सम्मान निधि बंद करने के लिए राज्य को केंद्र से अनुमति लेनी होगी। इसके बाद ही कोई फैसला होगा।

Printer, Publisher & Owner : Avesh K. Malaviya, **Printed at** Bhoomi Offset, Bhatiyavadi, Opp. Railway Station, Kalupur, Ahmedabad 380002 and **Published From** G-1301, Sardar Patel Nagar, Shastrinagar Char Rasta, Near Anmol Tower, Naranpura, Ahmedabad-380013. **Mob.** 98252 52125 **Email :** lokpatrikadaily@gmail.com **Website :** www.lokpatrika.in **Editor :** Avesh K. Malaviya